दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 351

ग्वालियर, शनिवार 10 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला को फोन पर मिले नफरत भरे संदेश

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को फोन पर आपत्तिजनक और नफरत भरे संदेश मिले हैं। जयपाल ने पांच ऐसे ऑडियो संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा किया। इस संदेश के उन हिस्सों को संपादित किया गया है, जिनमें अभद्र बातें की गई हैं। इस संदेश में सुना जा सकता है कि एक पुरुष जयपाल को गंभीर परिणाम भुगतने और अपने मूल देश भारत वापस जाने की धमकी दे रहा है। जयपाल ने ट्वीट किया, मैंने यहां ऐसा करने विकल्प चुना, क्योंकि हम हिंसा को हमारे लिए नई आम बात के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। हम उस नस्लवाद और लिंगवाद को भी स्वीकार नहीं कर सकते जो इस हिंसा में अंतर्निहित है और इसे प्रोत्साहित करता है। इससे पहले गर्मियों में एक व्यक्ति ने सिएटल में स्थित सांसद के आवास के बाहर पिस्तौल दिखाई थी। पुलिस ने इस व्यक्ति की पहचान ब्रेट फोरसेल (49) के रूप में की थी, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के चार जिलों में 20 जगहों पर छापेमारी कर करोड़ो जब्त किया

मुंबई। आयकर विभाग ने टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ कड़ा अभियान शुरू किया है. इससे बालू माफिया और चीनी मीलों के बादशाहों को बड़ा झटका लगा है। सूत्रों ने बताया कि आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के 4 जिलों में 20 जगहों पर छापेमारी की. 25 अगस्त को सर्च ऑपरेशन के जरिए आयकर विभाग को बड़ा सबूत मिला है. दरअसल आयकर विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में 50 करोड़ से अधिक की बेहिसाब आय और 100 करोड़ से अधिक के बेनामी लेनदेन का खुलासा हुआ है। साथ ही आयकर विभाग ने 5 करोड़ मूल्य का माल जब्त किया। आयकर विभाग ने सोलापुर, उस्मानाबाद, कोल्हापुर और नासिक जिलों में तलाशी अभियान चलाया. फिलहाल आयकर विभाग ने हार्ड डिस्क, दस्तावेज जब्त किए हैं। आयकर विभाग की इस कार्रवाई से निर्माण, सड़क, बांधकाम, स्वास्थ्य सेवा, मेडिकल कॉलेज, रेत खनन, चीनी उत्पादन में निवेश करने वाले 2 बड़े समूह प्रभावित हुए हैं। की गई कार्रवाई में टैक्स चोरी के कई तरीके सामने आए हैं। साथ ही करोड़ों की बेहिसाब नकद राशि भी जब्त की गई। आयकर विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में वित्तीय अराजकता पर भी निशाना साधा। बताया गया है कि कई बड़े डॉक्टर पेशेवर आयकर विभाग के रडार पर हैं।

हैदराबाद में मंच पर शख्स ने सीएम सरमा से भिड़ने की कोशिश, माइक तोड़ा

हैदराबाद। हैदराबाद में रैली के दौरान मंच पर लगे माइक को तोड़कर शख्स ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से भिड़ने की कोशिश की। हालांकि वहां पर मौजूद लोगों ने शख्स को तुरंत ही वहां से हटा दिया। दरअसल, असम के मुख्यमंत्री यहां गणेश प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने पहुंचे थे। उन्हें भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति और उडुपी द्रष्टा पेजावर स्वामी धर्माधिकारी ने हैदराबाद में गणेश विसर्जन शोभायात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। यह घटना उस वक्त सामने आई, जब मुख्यमंत्री बिस्वा भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति की रैली के दौरान मंच पर मौजूद थे। तभी पीछे से एक शख्स आता है और माइक को तोड़ने के बाद असम के सीएम से भिड़ने की कोशिश करता है। हालांकि, इससे पहले कि वह बिस्वा पर हमला कर पाता, वहां आसपास खड़े लोगों ने व्यक्ति को वहां से पीछे हटा दिया।

पंजाबी सिंगर हनी सिंह का हुआ पत्नी से तलाक, एलिमनी के तौर पर 1 करोड़ रुपये दिए

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर यो यो हनी सिंह और पत्नी शालिनी तलवार का तलाक हो गया है। दिल्ली के साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैमिली कोर्ट के जज विनोद कुमार की कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया है। हनी सिंह ने एलिमनी के तौर पर 1 करोड़ रुपए का चेक सील्ड लिफाफे में शालिनी तलवार को दिया है। कोर्ट में यो यो हनी सिंह और शालिनी तलवार के बीच काउंटर-एलिगेशन के बाद मामला सेटल हुआ है, जिसके बाद दोनों के बीच 1 करोड़ की एलिमनी पर समझौता हुआ है। मामले की अगली सुनवाई 20 मार्च 2023 को होगी, जिसमें अगले प्रस्ताव पर सुनवाई होगी। बता दें कि हनी सिंह की पत्नी शालिनी ने उनके खिलाफ घरेलू हिंसा, मानसिक और आर्थिक शोषण का भी आरोप लगाए थे। मामले की तीस हजार कोर्ट में सुनवाई चल रही है 3 सितंबर 2021 से मामले की इन चैंबर सुनवाई शुरू हुई थी। हनी सिंह के वकील ने कोर्ट में सील बंद लिफाफे में एक रिपोर्ट भी सौंपी थी। हालांकि इसके बाद जज ने दोनों की काउंसलिंग अपने चैंबर में की थी।

भारी वर्षा से मुंबई में कई स्थानों पर भारी जलभराव, ठाणे में 4 साल का बच्चा नाले में बहा, फिलहाल जारी रहेगा बरसात का सिलसिला

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई, नासिक, ठाणे में लगातार हो रही वर्षा के बाद कई जगह जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। मौसम विभाग ने 11 सितंबर तक भारी बारिश की आशंका जताई है। मूसलाधार बारिश के तेज बहाव में ठाणे में एक 4 साल के बच्चे के नाले बहने की खबर है। भारी बारिश से कई जगह पर यातायात प्रभावित हुआ है। जबकि नासिक में मंदिर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। मुंबई के कई हिस्सों में शाम करीब 4=30 बजे बारिश शुरू हुई और शाम 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच काफी तेज बारिश हुई। जिससे एक घंटे की अवधि में कुछ स्थानों पर 50 मिलीमीटर (मिमी) से अधिक की बारिश हुई। जिससे मुंबई में बारिश के

बाद सड़कों पर भारी जलभराव हो गया है। मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार शाम को भारी बारिश हुई। जिससे मध्य रेलवे (सीआर) की मेन लाइन पर पटरियों पर जलजमाव के कारण उपनगरीय ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई। जबकि दीवार गिरने की दो घटनाओं में 4 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि ठाणे शहर में एक नाले में एक लड़के के बह जाने का मामला सामने आया है।

आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि मध्य रेलवे पर कलवा और ठाणे स्टेशनों पर पटरियों पर जलजमाव के कारण शाम 7.50 से 8.20 बजे के बीच ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि ठाणे और दिवा सेक्शन में पटरियों पर जलभराव और टिटवाला स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के कारण रात में व्यस्त कॉरिडोर पर उपनगरीय सेवाएं बाधित रहीं। उन्होंने कहा कि मुंबई सीएसएमटी-खोपोली और मुंबई सीएसएमटी-कसरा सेक्शन के बीच तेज और धीमी दोनों गलियारों में सेवाएं कुछ घंटों के लिए बाधित रहीं। अधिकारियों के मुताबिक ठाणे जिले के कलवा में रेल पटरियों पर बारिश का पानी जमा हो गया है।

हैदराबाद में भगवान गणेश के लड्डू की हुई नीलामी, 24 लाख रुपये में बिका

हैदराबाद। देशभर में भगवान गणेश उत्सव की धूम देखने को मिल रही है। देश के कई इलाकों में भगवान गणेश के भव्य पंडाल देखने को मिल रहे हैं। इस बीच, हैदराबाद में भगवान गणेश जी के लड्डू की नीलामी की गई है। बालापुर गणेश का ये लड्डू 24.60 लाख रुपये में नीलाम हुआ है, इसका वजन 21 किलो है। भगवान गणेश के लड्डू को खरीदने वाले शख्स का नाम वी लक्ष्मण रेड्डी है। बिजनेसमैन लक्ष्मण बालापुर गणेश उत्सव समिति के सदस्य भी हैं। हैदराबाद में मशहूर बालापुर गणपति भगवान के 21 किलोग्राम के लड्डू की नीलामी की गई है। इसका 24.60 लाख रुपये में ब्रिकी होना एक रिकॉर्ड है। इस साल लड्डू को बालापुर इलाके के टीआरएस नेता वांगेटी लक्ष्मा रेड्डी ने सबसे ऊंची बोली लगाकर हासिल किया है। साल 2021 में लड्डू के लिए 18.90 लाख रुपये की बोली लगाई गई थी। 2019 में लड्डू के लिए 17.60 लाख रुपये की बोली लगाई गई थी। वहीं 2018 में लड्डू को 16.60 लाख रुपये की कीमत पर नीलाम किया गया था। साल 2020 में कोरोना के कारण नीलामी रद्द कर दी गई थी और बालापुर गणेश लड्डू को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को सौंप दिया गया था। लड्डू की नीलामी का इतिहास काफी पुराना है और यह साल 1994 से चला आ रहा है। पहले लड्डू को एक भक्त ने 450 रुपये में खरीदा था और तबसे यह परंपरा जारी है।

बारिश थमी बद्रीनाथ-केदारनाथ में रौनक लौटी

नई दिल्ली। भू बैकुंठ कहे जाने वाले श्री बद्रीनाथ और पुण्य भूमि कहे जाने वाले केदारनाथ धामों में बरसात कम होने के बाद एक बार फिर से रौनक लौट रही है तो मई-जून की तरह यात्रियों का सैलाब उमड़ने लगा है। दोनों ही धामों में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच चुके हैं, वह भी तब जबकि अभी करीब डेढ़ महीने की चारधाम यात्रा शेष है। 2019 में जितने श्रद्धालु पूरी यात्रा के दौरान पहुंचे थे, चारों धामों में अभी करीब साढ़े चार महीने की यात्रा में ही उससे ज़्यादा पहुंच चुके हैं और बारिश के दौर के बाद एक बार फिर यात्रा चरम की तरफ है। पहले बद्रीनाथ धाम की बात करें तो रिकॉर्ड तोड़ तीर्थयात्रियों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। बद्रीनाथ धाम में अभी तक 11,67,000 से ज़्यादा तीर्थयात्री पहुंच चुके हैं, जो अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। इन दिनों औसतन 8000 तीर्थयात्री बद्रीनाथ रोज़ाना पहुंच रहे हैं और भगवान नारायण के दर्शन कर रहे हैं। पितृपक्ष में बड़ी संख्या में बद्रीनाथ में यात्रियों के पहुंचने की उम्मीद है इसलिए नये रिकॉर्ड बनने की तरफ भी सबकी नज़र है। इधर, धाम में धूप खिलने के बाद मौसम सुहाना हो गया है। धाम के धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी के बाद बद्रीनाथ धाम में लगातार तीर्थ यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पवार की मानें तो राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से ज़्यादा तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। विश्व विख्यात केदारनाथ यात्रा के इतिहास में पहली बार सिर्फ 126 दिन की यात्रा में 11 लाख तीर्थ यात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन कर लिये हैं। यात्रा इतिहास में यह रिकॉर्ड है। 2019 में 10 लाख यात्री छह माह के दौरान केदारनाथ पहुंचे थे, लेकिन इस बार की यात्रा ने पुराने सभी रिकार्डों को ध्वस्त कर दिया है। वैसे अभी भी डेढ़ माह की यात्रा शेष बची हुई है इसलिए केदारनाथ आने वाले यात्रियों का आकंड़ा 13 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है।

भारत जोड़ो यात्रा बीजेपी और आरएसएस की नफरत के खिलाफ निकाली जा रही : राहुल गांधी

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा% पर कांग्रेस सांसद और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमारे लिए यह यात्रा लोगों से जुड़ने की है। बीजेपी की विचारधारा से देश को जो नुकसान और नफरत हुई है, उसके खिलाफ हमने यह यात्रा निकाली है।राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ कांग्रेस की ये यात्रा है। सभी संस्थानों पर बीजेपी ने कब्जा कर संस्थानों का दुरुपयोग किया जा

रहा है। राहुल ने कहा कि ये लड़ाई दो राजनीतिक दलों के बीच की नहीं है। देश में अलग तरह की राजनीति चल रही है। राहुल ने कहा कि हर एक व्यक्ति और संगठन की अपनी विचारधारा होती है। भाजपा और आरएसएस की अपनी विचारधारा है, वहां ठीक है। हमारे लिए यह यात्रा जनता से जुड़ने की यात्रा है। जो नुकसान भाजपा और आरएसएस की विचारधारा ने देश का किया है उसके खिलाफ यह यात्रा है। सबके अपने अपने विचार हैं। हर किसी के मत का स्वागत है। देश की भलाई के लिए लड़ना हमारा कर्तव्य है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि सच कहूँ, कई हजार वर्षों से दो अलग-अलग दृष्टिकोणों के बीच लड़ाई चल रही है, और यह जारी रहेगी। भारत के दो अलग-अलग दृष्टिकोण हैं, एक दृष्टिकोण कठोर और नियंत्रित करने वाला है जबकि दूसरा मिश्रित और खुले विचारों वाला है।

सोनाली फोगाट हत्या का मामला: सुप्रीम कोर्ट ने कर्लीज रेस्तरां में तोड़फोड़ पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने गोवा सरकार को नोटिस जारी कर रेस्तरां से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरों को तलब किया

नई दिल्ली। भाजपा नेता सोनाली फोगाट की मौत के मामले में एक ओर जहां गोवा सरकार को झटका लगा है, वहीं कर्लीज रेस्टोरेंट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने गोवा में स्थित कर्लीज रेस्तरां में जारी तोड़फोड़ पर फिलहाल रोक लगा दी है। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने गोवा सरकार को नोटिस जारी किया है और रेस्तरां से जुड़े सारे दस्तावेज और तस्वीरों को तलब किया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने रेस्तरां को फिलहाल कारोबार नहीं करने के आदेश दिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इस रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ पर रोक ऐसे वक्त में लगाई है, जब गोवा सरकार ने रेस्तरां को तटीय नियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के नियमों के उल्लंघन के कारण ढहाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले पर अगले शुक्रवार को सुनवाई करेगा। कर्लीज नामक यह रेस्टोरेंट उत्तरी गोवा के प्रसिद्ध अंजुना बीच पर स्थित है। मौत से कुछ घंटों पहले सोनाली फोगाट इसी रेस्तरां में पार्टी कर रही थीं। इसी कारण यह रेस्तरां हाल में सुर्खियों में रहा था। इस रेस्तरां के मालिक एडविन नून्स फोगाट की मौत के मामले में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में शामिल थे और उन्हें बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

एक अधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन का विध्वंस दस्ता अंजुना पुलिस कर्मियों के साथ समुद्र तट पर सीआरजेड नियमों का उल्लंघन करके 'निर्माण के लिए निषिद्ध क्षेत्र' में बने रेस्तरां को गिराने पहुंचा। गोवा तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण (जीसीजेडएमए) ने इमारत को ढहाने का 2016 में आदेश दिया था, जिसे रेस्तरां मालिक ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में चुनौती दी थी, लेकिन उन्हें एनजीटी से कोई राहत नहीं मिल पाई थी, जिसके बाद इसे ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई। सोनाली की मौत मामले में फोगाट के निजी सहायक सुधीर सांगवान, एक अन्य सहयोगी सुखविंदर सिंह, रेस्तरां के मालिक एडविन नून्स, कथित ड्रग तस्कर दत्ताप्रसाद गांवकर और रामदास मांड्रेकर को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नीतीश, अखिलेश और हेमंत के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव में भाजपा को 100 सीटों पर रोक देंगे : ममता बनर्जी

कोलकाता। सन 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। एक ओर बिहार के सीएम नीतीश कुमार दिल्ली का दौरा कर विपक्ष के नेताओं से एकजुट रहने की अपील कर रहे हैं। वहीं ममता बनर्जी ने 2024 में बंगाल से खेल शुरू होने की बात कह दी है। ममता बनर्जी ने वादा किया कि अगले साल शांतिपूर्ण पंचायत चुनाव निपटने के बाद 2024 में खेला होबे दोबारा आएगा। ममता बनर्जी ने एक लाइन में विपक्ष के नेताओं का नाम लेते हुए अपनी रणनीति भी बता दी। ममता बनर्जी ने कहा नीतीश जी, अखिलेश, हेमंत और मैं वादा करते हैं कि ये चार अकेले मिलकर भाजपा को

2024 के लोकसभा चुनाव में 100 सीटों पर रोक देंगे। इनमें से पश्चिम बंगाल में 42, बिहार में 40, उत्तर प्रदेश में 80 और झारखंड में 14 लोकसभा सीटे हैं। ममता ने कहा शांतिपूर्ण पंचायत चुनाव के बाद खेला होबे का अगला सीजन बंगाल से शुरू होगा। उन्होंने कहा भाजपा को अपनी 275-300 सीटों पर गर्व है। लेकिन 1989 में लोकसभा चुनाव हारने से पहले राजीव गांधी के पास 400 सीटें थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना ममता ने कहा मन की बात अब मन की व्यथा में बदल जाएगा। भाजपा पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने कहा हमें भाजपा की एजेसियां नहीं चाहिए, हमें नौकरी चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा मैं उन युवाओं को 10,000 अपॉइंटमेंट लेटर जारी करूंगी जो स्किल डेवलेपमेंट की ट्रेनिंग ले चुके हैं। एकतरफ 2024 के लिए ममता बनर्जी विपक्ष के नेता के रूप में खुद को प्रोजेक्ट करने में जुटी हैं, वहीं नीतीश कुमार भी विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

महिला क्रिकेट टीम द्वारा मैच जीतकर ट्रॉफी जीती

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर पुलिस 11 महिला क्रिकेट टीम द्वारा मैच जीतकर ट्रॉफी जीती गई ट्रॉफी को श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय को हमारी टीम भेंट करती हुई एवं मुझे मैच में बेस्ट प्लेयर का अवार्ड प्राप्त हुआ मैच आयोजक दीप्ति साधी जी को मैच आयोजन करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद हमारी पूरी टीम के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई मेंच जीतने के लिए । श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा हमारी पूरी टीम की हौसला अफजाई की गई हमारी पुलिस 11 महिला क्रिकेट टीम ने शॉर्ट नोटिस पर मैच खेला एवं मैच जीता

ब्रिटेन- महारानी के अंतिम संस्कार के बाद सात दिन तक शाही परिवार मनाएगा शोक

लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार ने ऐलान किया है कि बकिंघम पैलेस महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के सात दिन बाद तक शाही परिवार शोक मनाएगा। ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 70 साल तक शासन करने के बाद गुरुवार को स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। महारानी के अंतिम संस्कार की तारीख अभी तक निर्धारित नहीं हुई है। बकिंघम पैलेस ने एक बयान में कहा, 'महारानी के निधन के बाद राजा की इच्छा है कि शाही शोक की अवधि महारानी के अंतिम संस्कार के सात दिन बाद तक रहेगी।' राष्ट्रीय शोक से अलग शाही शोक की अवधि में शाही परिवार के सदस्य, परिवार के कर्मचारी और आधिकारिक ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के साथ रस्मी ड्यूटी के लिए तैनात जवान शोक मनाएंगे। राष्ट्रीय शोक के विवरण के बारे में सरकार के शुक्रवार को घोषणा करने की संभावना है। दो सप्ताह के भीतर वेस्टमिंस्टर एब्बे में महारानी का राजकीय तरीके से अंतिम संस्कार होने की संभावना है।

उपयुक्त दिन की पुष्टि बकिंघम पैलेस द्वारा की जाएगी। शुक्रवार को सेंट पॉल कैथेड्रल में महारानी की याद में प्रार्थना सभा आयोजित होगी, जिसमें प्रधानमंत्री लिज ट्रस और अन्य वरिष्ठ मंत्री शामिल होंगे। चूंकि स्कॉटलैंड में महारानी का निधन हुआ, इसलिए उनका ताबूत एडिनबर्ग में सेंट जाइल्स कैथेड्रल में रखा रहेगा। जनता को कुछ दिनों के बाद ताबूत देखने की अनुमति दी जा सकती है। इसके बाद ताबूत को लंदन ले जाया जाएगा, जहां लोगों को वेस्टमिंस्टर हॉल में चार दिनों की अवधि में श्रद्धांजलि की इजाजत होगी। राजा चार्ल्स शुक्रवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री ट्रस के साथ अपना पहला संबोधन देंगे, जिसके बाद एक संयुक्त संसद सत्र महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। संसद की 10 घंटे की बैठक के दौरान पूरी तरह से महारानी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, सरकार का नियमित कामकाज रुक जाता है, जब तक कि कुछ भी जरूरी नहीं होता है। मध्य लंदन में, महारानी के जीवन के प्रत्येक वर्ष के लिए 96 राउंड तोपों की सलामी दी जाएगी। इस दौरान चर्च की घंटियां भी बज उठेंगी। इंग्लैंड के चर्च ने पूरे देश में पैरिश, चैपल और कैथेड्रल को परामर्श भेजकर उन्हें प्रार्थना या विशेष सभाओं के लिए खोलने को कहा है।

न्यूज़ ट्रैक....

लीजेंड्स लीग में गांगुली , मुरलीधरन, ब्रेट ली खेलते नजर आयेंगे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रमुख सौरव गांगुली भी इसी माह होने वाली लीजेंड्स क्रिकेट लीग (एलएलसी) में खेलेंगे। गांगुली के साथ इस लीग में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन , ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली सहित कई अन्य दिग्गज क्रिकेटर भी खेलते हुए नजर आयेंगे। यह मैच भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में होगा। इस लीग में इयोन मॉर्गन, वीरेंद्र सहवाग , मिस्बाह-उल-हक़, जोंटी रोड्स, मिचेल जॉनसन, शेन वॉटसन, रॉस टेलर और ब्रेड स्टेन जैसे खिलाड़ी भी खेलते हुए दिखेंगे। अभी तक कुल 53 खिलाड़ियों के नाम इसके लिए तय हुए हैं। एलएलसी का दूसरा सत्र 17 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ, जोधपुर और कटक या राजकोट में आयोजित होगा।

पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम को मिला आसान ड्रॉ

भुवनेश्वर । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने ओडिशा में अगले साल की शुरुआत में होने वाले हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 के लिए गुरुवार को ड्रॉ घोषित किया। इसमें भारतीय टीम को आसान ड्रॉ मिला है भारतीय टीम को पूल-डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ रखा गया है। एफआईएच ने पूल-ए में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका, जबकि गत चैंपियन बेल्जियम को जर्मनी, कोरिया और जापान के साथ पूल-बी में ही शामिल किया है। वहीं पूल-सी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, मलेशिया और चिली को शामिल किया गया है। इसके अलावा भारतीय टीम को पूल-डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ रखा गया है। एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप का आयोजन उड़ीसा के भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 जनवरी 2023 के बीच किया जाएगा।

23 साल के हुए शुभमन गिल

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आज आठ सितंबर गुरुवार को 23 साल के हो गये। भारतीय टीम से बाहर चल रहे शुभमन इस समय इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। इस युवा खिलाड़ी ने काउंटी टीम ग्लैमर्गन की ओर से खेलते हुए अपने पहले ही मैच में 92 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी है। शुभमन ने वॉर्सेस्टरशर के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए 148 गेंदों पर आठ चौके और एक छक्का लगाया है। वर्षा प्रभावित इस मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ग्लैमर्गन ने अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 241 रन बना लिए थे हालांकि इसके बाद भी ग्लैमर्गन टीम पहली पारी के आधार पर वॉर्सेस्टरशर से 213 रनों से पीछे है। इससे पहले वॉर्सेस्टरशर ने पहली पारी 415 रन पर बनाए थे।

लीजेंड्स क्रिकेट लीग के दूसरे सत्र को लेकर जबरदस्त उत्साह : 17 से 5 अक्टूबर के बीच होंगे मुकाबले

देश-विदेश के पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों के बीच होगा मुकाबला

लखनऊ । लखनऊ में लीजेंड्स क्रिकेट लीग के दूसरे सत्र को लेकर जबरदस्त उत्साह का माहौल है। इस लीग से क्रिकेट प्रशंसकों को एक बार फिर दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों को देखने का अवसर मिलेगा। इस लीग के लिए भारत सहित दुनिया भर के कई पूर्व क्रिकेटर यहां आयेंगे। इस लीग के मुकाबले लखनऊ के साथ ही कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान में भी खेले जाएंगे। दूसरे सत्र की शुरुआत कोलकाता से हो रही है और फिर लखनऊ, कानपुर, नई दिल्ली, कटक में मुकाबले खेले जाएंगे। इस लीग का अंतिम चरण जोधपुर में होगा और सत्र के दौरान लीग में कुल 12 मैच खेले जाएंगे। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लीजेंड्स क्रिकेट लीग के दौरान महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, दक्षिण अफ्रीका के लांस क्लूज़नर सहित कई देशी और विदेशी खिलाड़ी चौके , छक्के लगाते हुए नजर आयेंगे। इस लीग में भारत के अलावा न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेनियल विटोरी, इंग्लैंड के ग्रीम स्वान, श्रीलंका के अंजथा मेंडिस और वेस्ट इंडीज के लिंडल सिमंस (गुजरात जायंट्स) टीम की ओर से खेलेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली, श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, द. अफ्रीका के लांस क्लूज़नर, इंग्लैंड के एंड्रयू फ्लिंटाफ मनीपाल टाइगर्स की ओर से उतरेंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के मिचेल जॉनसन, द. अफ्रीका के जैक कैलिस, न्यूजीलैंड के रॉस टेलर, बांग्लादेश के मशरफे मुर्तजा इंडिया कैपिटल्स की ओर से खेलेंगे। इनके अलावा इंग्लैंड के मैट प्रायर,

ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन, विंडीज के फिडेल एडवर्ड भीलवाड़ा किंग्स की ओर से उतरेंगे। इस लीग में भाग लेने वाले भारतीय क्रिकेटरों में विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल (गुजरात जायंट्स), मो. कैफ (मनीपाल टाइगर्स), प्रवीण तांबे (इंडिया कैपिटल्स) और श्रीसंत (भीलवाड़ा किंग्स) की ओर खेलते हुए नजर आयेंगे।

इस क्रिकेट लीग के तहत 17 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई स्टेडियम (इकाना अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम) में 3 मैच खेले जाएंगे और ये मैच 18, 19, और 21 सितंबर को खेले जाएंगे। इसमें 25 सितंबर को नई दिल्ली में इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जाइंट्स मैच के अलावा सभी मैच शाम 7:30 बजे खेले जाएंगे। लीग के तय कायक्रम के अनुसार इकाना स्टेडियम में पहला मैच 18 सितंबर को हरभजन सिंह की कप्तानी में मणिपाल टाइगर्स और इरफान पठान की भीलवाड़ा किंग्स के बीच खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच 19 सितंबर को गुजरात जाइंट्स और मणिपाल टाइगर्स के बीच जबकि तीसरा मैच 21 सितंबर को इंडिया कैपिटल्स और भीलवाड़ा किंग्स के बीच मुकाबला होगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यह लीग तीन टीमों के बीच खेली गयी थी। इनमें इंडिया महाराजा, वर्ल्ड जाइंट्स और एशिया लायंस शामिल थीं, तब कुल सात मैच खेले गए थे जबकि इस साल चार टीमें भाग ले रही हैं। पिछले साल एशिया लायंस में पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों ने भी खेला था। इस साल भी उनके इस टूर्नामेंट में खेलने की पूरी संभावनाएं है। लीग कार्यक्रम के अनुसार क्वालीफायर में हारने वाली टीम और लीग स्तर पर नंबर तीन पर रहने वाली टीम के बीच एलिमिनेटर मैच खेला जाएगा। इसमें विजेता टीम को फाइनल में पहुंचने का अवसर मिलेगा। पांच अक्टूबर को फाइनल मैच खेला जाएगा।

नीरज ने डायमंड लीग खिताब जीता

ज्यूरिख । भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अब डायमंड लीग फाइनल्स खिताब जीता है। नीरज ने ज्यूरिख में हुए फाइनल्स में 88.44 मीटर थ्रो लगाकर इस खिताब पर कब्जा किया। वह डायमंड लीग फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय हैं। नीरज ने फाइनल में चेक गणराज्य के ओलंपिक रजत पदक विजेता याकुब वाडलेज और जर्मनी के जूलियन वेबर को पीछे छोड़ा। वहीं वाडलेच 86.94 मीटर के दूसरे सबसे अच्छे थ्रो के साथ ही दूसरे जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर (83.73) के थ्रो के साथ ही तीसरे नंबर पर रहे। गौरतलब है कि नीरज ने गत 27 अगस्त को डायमंड लीग के लुसाने लीग का खिताब जीता था। इसी के साथ ही वह ग्रैंड फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने साल 2017 और 2018 में भी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करते हुए 7वां और चौथा स्थान हासिल किया था। ज्यरिख में हुए डायमंड लीग फाइनल में नीरज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इस मुकाबले में नीरज का पहला थ्रो फाउल रहा हालांकि, चोट के बाद मैदान पर वापसी करते हुए नीरज दूसरे ही प्रयास में काफी आगे निकल गए। उन्होंने दूसरे प्रयास में 88.44 मीटर दूर भाला फेंका जबकि तीसरे प्रयास में 88 मीटर, चौथे में 86.11 मीटर, पांचवें में 87 मीटर और छठे प्रयास में 83.60 मीटर दूर भाला फेंका। वहीं इससे पहले डायमंड लीग के ही लुसाने चरण में नीरज ने पहले प्रयास में 89.08 मीटर भाला फेंका था। यह उनके करियर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। उन्होंने लुसाने लेग में स्वर्ण जीता था।

16 को टी20 विश्वकप के लिए टीम घोषित कर सकती है बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए इसी माह 16 सितंबर को टीम घोषित कर सकता है। एशिया में में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए बीसीसीसी के लिए टीम चयन आसान नहीं है। इसके अलावा चोटिल खिलाड़ियों को देखते हुए भी उसके पास अधिक विकल्प नहीं है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी तक फिट नहीं हुए हैं। वहीं ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा एशिया कप में चोटिल होकर बाहर हो गये थे। हर्षल पटेल की पसलियों की चोट भी अब तक ठीक नहीं हुई है। एशिया कप में भारतीय गेंदबाज विरोधी टीमों पर अंकुश नहीं लगा पाये। उससे भी प्रबंधन चिन्तित है। इसी कारण सुपर-फोर में दो अहम मुकाबले भारतीय टीम के हाथ से निकल गये थे। चयनकर्ता ऐसे में चाहते हैं कि किसी प्रकार बुमराह फिट हो जायें। टी20 विश्व कप की शुरुआत 13 नवंबर को मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) में होगी। वहीं सुपर 12 के मुकाबले 22 अक्टूबर से शुरू होंगे। इस दौरान पहला मुकाबला न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी क्रिकेट मैदान पर होगा। भारत टीम पूरे टूर्नामेंट में कुल पांच मैच खेलेगी। भारत का पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ जबकि दूसरा 27 अक्टूबर को रुप ए की रनर अप के साथ, तीसरा 30 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इसके बाद चौथा मैच दो नवंबर को बांग्लादेश और पांचवा मुकाबला छह नवंबर को रुप बी में जीत दर्ज करने वाली टीम से होगा।

एशिया कप के बाद इंग्लैंड के साथ टी20 सीरीज खेलेगी पाक

इस्लामाबाद । इंग्लैंड टीम पाक टी20 सीरीज के लिए इसी माह पाकिस्तान पहुंचेगी। पाक टीम अगले महीने कराची और लाहौर में सात टी20 मैच खेलेगी। कराची में चार टी20 मैच 20 से 25 सितंबर के बीच खेले जायेंगे जबकि तीन टी20 मुकाबले लाहौर में 28 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच होंगे। इंग्लैंड टीम ने अंतिम बार साल 2005 में पाक का दौरा किया था जबकि पाक ने दो बार 2012 और 2016 में इंग्लैंड की मेजबानी यूएई में की। पिछले साल टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड टीम को पाक आना था पर जैव सुरक्षा घेरे (बायो बबल) की थकान और सुरक्षा चिंताओं के कारण उसने यह दौरा उस समय रद्द कर दिया था। उसी दौरे को अब आयोजित किया जा रहा है।

लंदन में यूरोपा कॉफ्रेंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए वेस्ट हैम और एफसीएसबी।

आईसीसी ने पुरुष टी20 विश्व कप के लिए अभ्यास कार्यक्रम जारी किया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के पहले सभी 16 टीमों के लिए अभ्यास कार्यक्रम घोषित कर दिया। आईसीसी ने कहा कि सभी अभ्यास मैच ब्रिस्बेन और मेलबर्न में खेले जाएंगे। इसमें पहले दौर की टीमें अपने अभ्यास मैच 10 और 13 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट मैदान और जंक्शन ओवल में खेलेंगी। वहीं सीधे सुपर-12 दौर में सीधे प्रवेश करने वाली टीमें अपने अभ्यास मुकाबले 17 और 19 अक्टूबर को ब्रिस्बेन के गाबा में मैदान पर खेलेंगी। आईसीसी के इस कार्यक्रम के अनुसार पहला अभ्यास मैच 10 अक्टूबर को जंक्शन ओवल में वेस्टइंडीज और संयुक्त अरब अमीरात से होगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 अक्टूबर को खेलेगी। इसके बाद 19 अक्टूबर को भारतीय टीम का दूसरा अभ्यास न्यूजीलैंड से होगा। वहीं स्कॉटलैंड टीम नीदरलैंड और श्रीलंका के साथ एक ही दिन में दो अन्य मैचों में उसी स्थान पर जिम्बाब्वे से खेलेगी।

व्यापार न्यूज़

गूगल प्ले शुरू कर रहा है प्रायोगिक कार्यक्रम

मुंबई । गूगल प्ले एक ऐसा प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है, जो देश के डेवलपरों द्वारा रियल-मनी गेम्स, डेली फैंटेसी स्पोर्ट्स (डीएफएस) और रमी ऐप का भारत में वितरण सक्षम करता है। यह कार्यक्रम 28 सितंबर, 2022 से शुरू होकर एक साल तक चलेगा और उपयोगकर्ताओं के लिए सीखने की व्यवस्था करेगा तथा सुरक्षित अनुभव बनाए रखेगा। गूगल के प्रवक्ता ने कहा कि हम स्थानीय डेवलपरों के लिए सफल कारोबार करने और गूगल प्ले पर सुखद अनुभव प्रदान करने के तरीके लगातार तलाश रहे हैं। इस प्रायोगिक कार्यक्रम के जरिये हम एक ऐसा नपा-तुला नजरिया अपना रहे हैं, जो हमारी व्यवस्थित रूप से सीखने में मदद करेगा और हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए सुखद तथा सुरक्षित अनुभव कायम रखेगा।

ओगिल्वी को अब भारतीय मूल की देविका संभालेंगी

मुंबई । दुनिया के एक और प्रमुख ब्रांड इंटरनेशनल एडवरटाइज़िंग और पीआर एजेंसी ओगिल्वी को अब भारतीय मूल की देविका बुलचंदानी संभालेंगी। देविका को कंपनी ने अपना ग्लोबल सीईओ चुना है। फिलहाल वो ग्लोबल प्रेजीडेंट और सीईओ नॉर्थ अमेरिका के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं। देविका एंडी मेन की जगह लेंगी जिन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एंडी इस साल के आखिरी तक सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं देना जारी रखेंगे। ओगिल्वी मार्केटिंग और कम्युनिकेशन रुप डब्लूपीपी का हिस्सा है। नए पद के साथ देविका डब्लूपीपी की एग्जीक्यूटिव कमेटी का भी हिस्सा बनेंगी। ग्लोबल सीईओ के रूप में देविका की ज़िम्मेदारियों में 93 देशों के 131 कार्यालयों के जरिए क्रिएटिव कंटेंट से जुड़े कारोबार को संभालना और उसे बढ़ाना होगा।

डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे चढ़ा

मुंबई । प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा में गिरावट और विदेशी निवेशकों के निवेश के बीच शुक्रवार को रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे चढ़कर 79.61 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.66 पर खुला और फिर शुरुआती सौदों में बढ़त दर्ज करते हुए 79.61 के स्तर पर आ गया। इस तरह स्थानीय इकाई ने पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की बढ़त दर्ज की। रुपया गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट के साथ 79.69 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सरकार ने गैर-बासमती चावल निर्यात पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया

नई दिल्ली । सरकार ने गैर-बासमती चावल पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगा दिया है। चालू खरीफ सत्र में धान फसल का रकबा काफी घट गया है। ऐसे में घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। राजस्व विभाग की जारी अधिसूचना के अनुसार धान के रूप में चावल और ब्राउन राइस पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि उसना चावल और बासमती चावल को छोड़कर अन्य किस्मों के निर्यात पर 20 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगेगा। अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्यात शुल्क नौ सितंबर से लागू हो गया है। कृषि मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार चालू खरीफ सत्र में अब तक धान का बुवाई क्षेत्र 5.62 प्रतिशत घटकर 383.99 लाख हेक्टेयर रह गया है। देश के कुछ राज्यों में बारिश कम होने की वजह से धान का बुवाई क्षेत्र घटा है। चीन के बाद भारत चावल का सबसे बड़ा उत्पादक है। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा 40 प्रतिशत है। भारत ने 2021-22 के वित्त वर्ष में 2.12 करोड़ टन चावल का निर्यात किया था। इसमें 39.4 लाख टन बासमती चावल था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में गैर-बासमती चावल का निर्यात 6.11 अरब डॉलर रहा। भारत ने 2021-22 में दुनिया के 150 से अधिक देशों को गैर-बासमती चावल का निर्यात किया। अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ ने निर्यात शुल्क लगाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय चावल का निर्यात काफी कम मूल्य पर हो रहा था। निर्यात शुल्क से गैर-बासमती चावल का निर्यात 20 से 30 लाख टन घटेगा। वहीं 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क की वजह से निर्यात से प्राप्ति पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 60 हजार के पार

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 300 अंक की बढ़त के साथ एक बार फिर 60,000 अंक को पार कर लिया। दूसरी ओर निफ्टी ने भी एक बार फिर 17,900 अंक के स्तर छू लिया। हालांकि, बाद में इसमें थोड़ी मुनाफावसूली देखने को मिली। सेंसेक्स सुबह 286.92 फीसदी की बढ़त के साथ 59,975.14 अंक के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इसी तरह निफ्टी पर 92.25 अंक की तेजी के साथ 17,891 अंक के स्तर पर कारोबार हो रहा था। एनएसई निफ्टी पर इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.42 फीसदी के उछाल के साथ कारोबार हो रहा था। इसके अलावा हिंडाल्को, श्री सीमेंट, एचयूएल आदि जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं बीपीसीएल, पॉवरग्रिड और कोल इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स पर शुक्रवार को इंडसंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.45 फीसदी का उछाल देखने को मिला। इसके साथ ही एचयूएल, टाटा स्टील, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एचसीएल, कोटक महिंद्रा बैंक, एमएंडएम, टीसीस, टेक महिंद्रा, डॉ रेड्डी, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी बैंक, एमएंडएम, टीसीएस और एलएंडटी में बढ़त के साथ कारोबार हो रहा था। बाजार विशेषज्ञ का मानना है कि ब्याज दरों में तेज इजाफे की वजह से देश में मंदी नहीं आएगी। इसी वजह से वैश्विक रुख थोड़े सकारात्मक हो गए हैं।

दीवाली से पहले आने वाली है 4 नई एसयूवी

नई दिल्ली । आगामी दीवाली से पहले बाजार में 4 नई एसयूवी आने वाली है। कोविड महामारी के कम होने के साथ दुनिया सामान्य जीवन में वापस आ रही है। ऑटोमोबाइल बाजार भी गुलजार है। इसी क्रम में टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइडर की कीमत सूची आधिकारिक तौर पर ए एक हफ्ते में सामने आ जाएगी, लेकिन आंकड़ों की एक लीक शीट ने हाइराइडर की शुरुआती कीमत को रुपये से कम कर दिया है 10 लाख। यह मिड साइज की एसयूवी किआ सेल्टोस, हुंडई क्रेटा, वोक्सवैगन ताइगुन और स्कोडा कुशाक को चुनौती देगी। टोयोटा हैरीडेर की जापानी बहन मारुति सुजुकी ग्रांड वितारा है, जिसे त्योहारी सीजन से ठीक पहले लॉन्च करने की तैयारी है। दावा किया गया 27.97केएमपीएल का माइलेज है और इसे भारत में दो इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा। पहला मजबूत हाइब्रिड तकनीक वाला एक नया 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन होगा, जिसे ई-सीवीवाई के साथ जोड़ा जाएगा और दूसरा 1.5-लीटर माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल यूनिट होगा जो 5-स्पीड एमटी और 6-स्पीड एटी के साथ होगा महिंद्रा एक्सयूवी300 फेसलिफ्ट को कुछ दिनों पहले आधिकारिक तौर पर टीज किया गया था और अब इसे टेस्टिंग के दौरान भी देखा गया है।

त्योहारी मौसम में 28 फीसदी ई-कॉमर्स कंपनियों की सेल में होगा इजाफा : रिपोर्ट

नई दिल्ली । आने वाले त्योहारी मौसम में ई-कॉमर्स कंपनियों की बल्ले-बल्ले होने की उम्मीद है। एक रिसर्च फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक ई-कॉमर्स सेल 28 फीसदी बढ़कर 11.8 अरब डॉलर हो सकती है। रिपोर्ट में इसका कारण महंगाई की वजह से निजी खपत में कमी और ऑफलाइन सेल में कमी को बताया गया है। फ्लिपकार्ट, अमेजन और मीशो जैसे ई-कॉमर्स कंपनियां आने वाले त्योहारी सेल के लिए तेजी से डिस्ट्रीब्यूशन करने, शॉपिंग के लिए आसान क्रेडिट की सुविधा देने और 3डी अनुभवों जैसे नए खरीदारी प्रयोगों द्वारा अपनी तैयारी में लगी हुई हैं।

हालांकि फ्लिपकार्ट और अमेजन ने अपने एनुअल फेस्टिवल सेल कार्यक्रमों की तारीखों का खुलासा नहीं किया है। रेडसीर ने कहा कि सेल का पहला सप्ताह 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक हो सकता है। सेल सीजन के पहले सप्ताह में 24 प्रतिशत की वृद्धि देखने की संभावना जताई जा रही है। त्योहारी महीने आमतौर पर भारत में सबसे बड़ी शॉपिंग का सीजन होता है। दीवाली के दौरान खरीदारी चरम पर होती है और यह क्रिसमस व नए साल तक जारी रहती है। 2015-2021 की

अवधि में ऑनलाइन एनुअल सेल 52 प्रतिशत बढ़कर 9.3 अरब डॉलर हो गई, जब देश में कुल ऑनलाइन खुदरा बाजार का आकार केवल 50 अरब डॉलर से अधिक था। बर्नस्टीन की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, त्योहारों से सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) भारत में ऑनलाइन खुदरा की तुलना में दोगुना तेजी से बढ़ रहा है।

इस मामले पर एक रिसर्च कंपनी ने रिपोर्ट की थी। इसमें यह संभावना जताई गई थी कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर त्योहारी सीजन की सेल में वृद्धि इस साल मुद्रास्फीति ऑफलाइन शॉपिंग की शुरुआत के कारण स्थिर रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की सेल फैशन और इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा ऑपरेटेड होगी। इस साल फैशन सेल के 16 फीसदी से बढ़कर 24 फीसदी होने की उम्मीद है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स में मामूली गिरावट देखने को मिल सकती है। इस मामले पर रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स में एसोसिएट पार्टनर संजय कोठारी ने कहा, %अन्य त्योहारी सेल की तरह इस साल की त्योहारी सेल का लगभग 70 प्रतिशत मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं द्वारा संचालित होगा। पिछले कुछ महीनों में इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री में गिरावट ज्यादातर मौसमी फैक्टर के कारण रहा है।

कोठारी ने बताया कि रिपोर्ट में इस बात को हाईलाइट किया गया है कि 2020 में 50 मिलियन की तुलना में इस साल ऑनलाइन खरीदारों की संख्या बढ़कर 78 मिलियन हो गई है। उन्होंने कहा कि हम 2018 से ऑनलाइन दुकानदारों की संख्या में चार गुना वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं।

कृषि मंत्रालय और फिक्की की पीपीपी परियोजनाओं के लिए संयुक्त पहल

नई दिल्ली । कृषि मंत्रालय और उद्योग निकाय फिक्की ने कृषि क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के लिए एक संयुक्त पहल शुरू की है। इस संबंध में जारी आधिकारिक बयान के अनुसार केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पर परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) का शुभारंभ पर कहा कि पीपीपी मॉडल कृषि क्षेत्र में विकास के लिए आदर्श मॉडल हो सकता है और पीपीपी परियोजनाओं को किसानों की आय बढ़ाने के माध्यम से लाभान्वित करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अकेले ही सभी कार्य करे तो यह कोई आदर्श स्थिति नहीं है। बेहतर काम सिर्फ जन भागीदारी के साथ ही किए जा सकते हैं। किसी भी क्षेत्र की प्रगति के लिए सरकार सभी को अच्छा सहयोग दे सकती है। इसके अलावा कृषि सचिव मनोज आहूजा ने कहा कि सरकार को कृषि क्षेत्र में निवेश को सुविधाजनक बनाने में एक उत्प्रेरक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों को एक साथ आना चाहिए और कृषि क्षेत्र की परियोजनाओं में सरकार के साथ साझेदारी करनी चाहिए, जिससे उनका प्रभाव खासा बढ़ जाएगा। वहीं फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शुभ्रकांत पांडा ने भरोसा जताया कि कृषि क्षेत्र के लिए पीएमयू पहल से निजी क्षेत्र के निवेश के दोहन और सरकारी योजनाओं और सब्सिडी के उपयोग से बड़े स्तर की पीपीपी परियोजनाओं में तेजी आएगी।

छोटी सी उम्र में ही बच्चों को सिखा दें खाने-पीने से जुड़ी ये अच्छी आदतें

अगर छोटी उम्र से ही बच्चों को खाने से जुड़ी अच्छी आदतें सिखा दी जाएं तो इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ता है। इससे उनका विकास भी बेहतर तरीके से होता है। आइए आज आपको बताते हैं कि खाने-पीने से जुड़ी ऐसी कौन सी अच्छी आदतें हैं जिनके बारे में बच्चों को छोटी सी उम्र में ही बताना और इन्हें उनकी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है।

खाने से पहले हाथों को धोना

यह सबसे जरूरी आदतों में से एक है और बच्चों को खाना खाने से पहले हाथ धोना सिखाना बेहद जरूरी है। उन्हें समझाएं कि अगर वह खाना खाने से पहले हाथ नहीं धोते हैं तो इससे कीटाणुओं का खतरा बढ़ सकता है। सिर्फ खाने से पहले ही नहीं, बल्कि खाना खाने के बाद और जब भी बच्चे बाहर या बाथरूम से आएं तो उन्हें हाथ धोने की आदत लगाएं। यह आदत बीमारियों से बचाने का काम करेगी।

पौष्टिक आहार की जानकारी

बच्चे पौष्टिक आहार लेने की आदत तभी सीख सकते हैं, जब आप उन्हें इसके बारे में अच्छे से बताएंगे। उन्हें बताएं कि किस तरह के आहार से क्या फायदा मिल सकता है। उदाहरण के लिए, बच्चों को फलों और सब्जियों में मौजूद पौष्टिक तत्वों के बारे में बताएं और घर में ज्यादा से ज्यादा हरी-सब्जियां और फल रखें ताकि बच्चे समझ सकें कि ये स्वस्थ आहार हैं। बच्चे के साथ माता-पिता को भी अच्छे पौष्टिक आहारों का सेवन करना चाहिए।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सिखाएं

बच्चों की सेहत के लिए पौष्टिक आहार जितना जरूरी है, ठीक उतना ही महत्वपूर्ण समय-समय पर पानी पीना है। इसलिए माता-पिता बच्चों को ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दें। 5 से 8 साल के बच्चे को दिन में लगभग पांच गिलास पानी जरूर पिलाएं। वहीं 9 से 12 साल के बच्चे के लिए रोजाना डेढ़ लीटर पानी जरूरी है। 13 साल से अधिक उम्र के बच्चों के लिए नियमित 8-10 गिलास पानी का सेवन करना महत्वपूर्ण है।

खाने का समय निर्धारित करें

खाने के साथ-साथ खाने का समय भी काफी मायने रखता है। इससे हमारा मतलब यह है कि माता-पिता बच्चों के खाने-पीने का एक समय निर्धारित जरूर करें और खुद भी इसका पालन करें। उदाहरण के लिए, बच्चों के ब्रेकफास्ट, लंच, स्नैक्स और डिनर का एक रूटीन बनाएं और हर रोज ठीक उसी वक्त उन्हें खाना खिलाएं। इससे उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और उनके खाने की आदत भी सही रहेगी।

महत्वपूर्ण टिप्स

इन बातों पर भी दें खास ध्यान

बच्चों को धीरे-धीरे और खाने को अच्छे से चबाकर खाने के लिए प्रेरित करें। जब भी माता-पिता या फिर घर का कई बड़ा फल और सब्जियां खरीदने जाए तो बच्चों को अपने साथ लेकर जाएं और खरीदारी के दौरान उन्हें फल और सब्जियों के साथ-साथ अन्य पौष्टिक आहारों के फायदे बताएं। बच्चे को टीवी देखते या फिर मोबाइल चलाते समय खाना न खाने दें। इसके अलावा बच्चों को खाने से संबंधित इनाम या सजा देने से बचें।

भारत की पहली हवाई ऐक्शन फिल्म होगी 'फाइटर', रितिक और दीपिका मचाएंगे धमाल

फिल्म निर्माता कंपनी वायकॉम 18 स्टूडियोज ने घोषणा की है कि रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर 'फाइटर' भारत की पहली हवाई ऐक्शन फिल्म होगी। 'फाइटर' एक शानदार फिल्म होगी जिसका डायरेक्शन सिद्धार्थ आनंद करेंगे। रितिक रोशन इससे पहले 'वॉर बैंग' और 'वॉर' जैसी फिल्मों में सिद्धार्थ आनंद के साथ काम कर चुके हैं। वायकॉम 18 स्टूडियो इस फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ आनंद और उनकी पत्नी ममता, रेमन चिब्ब और अंकु पांडे के साथ मिलकर करेगा। स्टूडियो के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अजित अंधारे ने स्टेटमेंट में कहा, 'एरियल ऐक्शन फिल्म अनूठा सिनेमाई अनुभव प्रदान करती है। भारत में इस तरह का प्रयोग अब तक नहीं किया गया है। हॉलिवुड फिल्म 'टॉप गन' का प्रशंसक होने के नाते, मैं पिछले कई वर्षों से ऐसी कहानी की तलाश में था जिसकी जड़ें भारत में हों और उसपर कोई एरियल एक्शन फिल्म बनाई जा सके। वह फिल्म 'फाइटर' होगी।' अजित अंधारे ने कहा, 'सिद्धार्थ आनंद को इस प्रकार की फिल्मों की समझ है और वह अपनी खास निर्देशन शैली के जरिए फिल्मों को बेहद शानदार बना देते हैं। मैं उनके साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण करने को लेकर बेहद उत्सुक हूं।' सिद्धार्थ आनंद ने फिल्म 'फाइटर' को अपना ड्रीम प्रॉजेक्ट बताते हुए कहा, 'मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि ऐसी फिल्म बनाने में मुझे अजित जैसे व्यक्ति का सहयोग मिल रहा है। इस फिल्म के जरिए हमारा उद्देश्य भारतीय फिल्मों को ऐक्शन-प्रेमी वैश्विक दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करना है।'

श्रेया धनवंतरी ने कैसे चुना फिल्म लूप लपेटा के लिए जूलिया का किरदार, खुद किया खुलासा

स्कैम 1992 में जानी मानी पत्रकार सुचेता दलाल का रोल निभाकर सभी का दिल जीत चुकीं एक्ट्रेस श्रेया धनवंतरी अपनी अगली फिल्म लूप लपेटा के साथ फिर से रुपहले पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। हाल ही में उन्हें फैमिली मैन 2 में भी देखा गया था. श्रेया ने खुलासा किया है कि स्कैम 1992 के बाद उनके पास ढेरो ऑफर्स थे लेकिन वो अपने अगले प्रोजेक्ट को चुनने के लिए कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती थीं. श्रेया ने इस बात का खुलासा भी किया था कि वो कैसे अपने काम को लेकर बेहद सजग हैं और वो उन्हीं रोल्स को चुनने के लिए बेताब हैं जिनमें एक्टिंग का हुनर दिखाने का मौका मिले. ये मौका उन्हें जल्द ही मिल भी गया जब उनके पास लूप लपेटा का ऑफर आया इसके रोल जूलिया के लिए, जब उन्होंने अपना रोल सुना तो उन्हें समझ आ गया कि ये वो ही रोल है जिसका उन्हें लंबे वक्त से इंतजार था. श्रेया धनवंतरी अपनी अगली फिल्म 'लूप लपेटा' में तापसी और ताहिर राज भसीन के साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगी. निर्माता तापसी और ताहिर यानी साबी और सत्या की भूमिकाओं से मेल खाने के लिए लोकप्रिय और मजबूत अभिनेता की तलाश में थे और पहले भी एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के साथ काम करने के वजह से निर्माता श्रेया के अभिनय कौशल को जानते थे और इसलिए उन्होंने तुरंत श्रेया को जूलिया के किरदार के लिए चुना. श्रेया धनवंतरी कहती हैं कि मेरे लिए इस फिल्म में काम करने के कई कारण थे. मुझे जो किरदार ऑफर किया गया था वह इतना दिलचस्प था कि मैं मना नहीं कर सकी. मैंने मेरा पहला कदम तनुज और अतुल के साथ एलीप्सिस से उठाया है. इस फिल्म का शीर्षक भी काफी आकर्षक है. और मुझे हमेशा से ही कुछ नया और क्रेजी करना था जो लूप लपेटा में है! आकाश भाटिया द्वारा निर्देशित 'लूप लपेटा' इस साल रिलीज होगी. लूप लपेटा एक कॉमिक थ्रिलर फिल्म है. इसकी मेकिंग के साथ से ही ये फिल्म चर्चाओं में है. ये फिल्म 1998 में आई जर्मन फिल्म रन लोला रन का हिंदी रीमेक है. इसकी कहानी में दिखाया गया था कि फिल्म की एक्ट्रेस अपने बॉयफ्रेंड को बचाने के लिए 20 मिनट में कैसे पैसे का इंतजाम करती है. लूप लपेटा 22 अक्टूबर को थिएटर्स मे रिलीज होगी।

मुझे पुलिस भूमिकाओं की पेशकश की जाती है : जिमी शेरगिल

अभिनेता जिमी शेरगिल ने 1996 में अपनी पहली फिल्म माचिस के बाद से बॉलीवुड में काफी लंबा सफर तय किया है। एक सूत्र जो उनकी अधिकांश लोकप्रिय फिल्मों को एक साथ बांधता है, वह है एक पुलिस वाले के रूप में उनका अवतार। ए वेडनेसडे में इंस्पेक्टर आरिफ खान के रूप में अपने शक्तिशाली अभिनय से लेकर स्पेशल 26 और फुगली में उनकी उल्लेखनीय भूमिकाओं तक, अभिनेता ने लगभग 10 फिल्मों में उल्लेखनीय पुलिस भूमिकाएं अदा की हैं। जिमी ने कहा, मुझे कई पुलिस रोल की पेशकश की जाती है। मैं उनको चुनता हूं जो मुझे वास्तव में पसंद हैं। मैं उस चरित्र को चुनता हूं जिसे एक अलग रोशनी के साथ चित्रित किए जाने की गुंजाइश होती है।

अभिनेता अपनी नवीनतम फिल्म कॉलर बम में एक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आए है। उन्होंने एक उच्च पदस्थ इंस्पेक्टर मनोज हेसी का किरदार निभाया है। पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ज्ञानेश जोटिंग द्वारा निर्देशित, यह फिल्म एक पहाड़ी शहर के स्कूल के बारे में है जहां बच्चों को एक मानव बम द्वारा बंधक बना लिया जाता है। बच्चों को बचाने के रहस्य को सुलझाने की कुंजी मनोज हेसी के अप्रिय अतीत होती है। महामारी से पहले जिमी को फिल्म के लिए संपर्क किया गया था और अभिनेता ने परियोजना पर हस्ताक्षर करने के लिए अपना समय लिया। जिमी ने कहा, कोविड -19 के आने से कुछ महीने पहले मुझे एक स्क्रिप्ट दी गई थी जो मुझे वास्तव में पसंद आई थी। लेकिन कुछ इनपुट थे जो मैं देना चाहता था, जो मुझे महत्वपूर्ण लगा। उन्होंने आगे कहा, महामारी के बीच में मुझे संशोधित स्क्रिप्ट भेजी गई थी। मुझे इसे पढ़कर बहुत खुशी हुई।

फिल्मी दुनिया में तब्बू के 30 साल पूरे, शेयर किया ये खास वीडियो

तब्बू अब तक अलग-अलग फिल्मों में कई अलग तरह के किरदार निभा चुकी हैं। वह हर किरदार को इतनी सहजता से निभाती हैं, लगता है जैसे एक्टिंग करना कितना आसान हो। तब्बू ने 30 साल पहले तेलुगु फिल्म कुली नंबर 1 से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इतना लंबा सफर तय कर चुकीं तब्बू ने इस मौके पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। आइए जानते हैं उन्होंने अपने पोस्ट में क्या लिखा। तब्बू ने फिल्म कुली नंबर 1 के सुपरहिट गाने कोठा कोठागा.. का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, इस खूबसूरत सफर पर यकीन करना बहुत मुश्किल है। मैं यह सोचने भर से अभिभूत हूं कि मेरी पहली फिल्म ने 30 साल का लंबा सफर तय कर लिया है। उन्होंने लिखा, मन ही मन बहुत खुशी हो रही है। यह मेरे लिए एक बेहद गर्व का पल है। मैं आप सभी की आभारी हूं। तब्बू ने लिखा, राम नायडू सर, सुरेश नायडू और वेंकटेश नायडू का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे मेरे करियर की पहली फिल्म दी और वो भी ऐसी फिल्म, जिसने मेरे लिए सिनेमा की दुनिया में दरवाजे खोल दिए। उन्होंने लिखा, मेरे गुरु के.राघवेंद्र राव, जो फिल्म के निर्देशक थे, उन्होंने मुझे पर्दे पर ऐसे पेश किया, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा उनकी अहसानमंद रहूंगी। मेरी इस यात्रा के दौरान मेरे साथ चलने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। तब्बू के इस वीडियो को शेयर करने के बाद प्रशंसकों से लेकर बॉलीवुड की दुनिया से जुड़े कई सितारों ने उन्हें फिल्मी जगत में 30 साल पूरे होने पर शुभकामनाएं दीं। आयुष्मान खुराना ने लिखा, शानदार। यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने लिखा, तो जब आपने यह फिल्म की थी, तब आप दो साल की थीं?

फिल्म भूत पुलिस से सामने आया जैकलीन और यामी का फर्स्ट लुक

श्रीलंकन ब्यूटी जैकलीन फर्नांडिज और यामी गौतम यूं तो आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी, लेकिन इन दिनों फिलहाल उनकी फिल्म भूत पुलिस काफी चर्चा में है। दर्शक फिल्म में उनके लुक का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और अब उनका यह इंतजार भी खत्म हो गया है। दरअसल, फिल्म से जैकलीन और यामी का पहला पोस्टर सामने आ गया है।

जैकलीन ने फिल्म से अपना पहला पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर कर लिखा, लातों के भूत बातों से नहीं मानते। मिलिए भूत पुलिस की बिंदास कनिका से। पोस्टर में जैकलीन हंटर थामे नजर आ रही हैं। बात करें फिल्म से यामी गौतम के लुक की तो उनके हाथ में एक मशाल जलती दिख रही है। यामी ने लिखा, अपने आकर्षण से सबको मंत्रमुग्ध करने जल्द ही आ रही है माया। पोस्टर में यामी किसी चीज को अचंभे से देख रही हैं। पिछले दिनों करीना कपूर खान ने फिल्म से सैफ अली खान का लुक प्रशंसकों के साथ साझा किया। करीना ने लिखा, भूतों से डरें नहीं बल्कि विभूति के साथ सैफ महसूस करें। पोस्टर में सैफ काले कपड़ों में गले में माला पहने और आंखों में काजल लगाए दिख रहे थे। उन्होंने हाथ में एक अजीबोगरीब छड़ी ले रखी थी, जिसमें कुछ चमकती हुई मालाएं नजर आ रही थीं। सबसे पहले इस फिल्म से अर्जुन कपूर का लुक सामने आया था। भूत पुलिस हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। रमेश और अक्षय पुरी ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है, जबकि जया तौरानी ने फिल्म निर्माण में सहयोग किया है। यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इस फिल्म की घोषणा 2019 में की गई थी। फिल्म के बड़े हिस्से को कोरोना महामारी के दौरान डलहौजी, धर्मशाला और जैसलमेर में शूट किया गया है। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई में हुई है।

कृति सैनन ने भी अपनी बहुचर्चित फिल्म मिमी का एक वीडियो फैंस के साथ शेयर किया है। वीडियो में वह बेबी बम्प दिखाती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, इस जुलाई साधारण से असाधारण की उम्मीद करें। कृति का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और उनकी बहन नुपुर ने कमेंट किया, यह बेहतरीन होने वाली है। बता दें कि इस फिल्म में कृति ने एक सरोगेट मदर का किरदार निभाया है।

क्या होता है जेल मॉश्चराइजर, जानिए इस्तेमाल करने का तरीका और फायदे

हम सभी जानते हैं कि स्किन केयर रूटीन में मॉइश्चराइजर बहुत जरूरी होता है. ये आपका ड्राई स्किन को पोषक तत्व देने का काम करता है. कोई भी मौसम हो त्वचा को मॉइश्चराइज करना जरूरी होता है. त्वचा को क्लींज करने के बाद हाइड्रेट करने के लिए मॉइश्चराइज करना जरूरी होता है. अगर आप त्वचा को नियमित रूप से मॉइश्चराइज नहीं करते हैं तो स्किन प्रॉब्लम्स बढ़ सकती है. मॉइश्चराइज करने से स्किन जवां और ग्लोइंग नजर आती है. बाजार में कई तरह के मॉइश्चराइज मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पिछले कुछ समय में जेल मॉइश्चराइजर का ट्रेंड काफी बढ़ गया है. आइए जानते हैं इसके फायदों के बार में.

क्या होता है जेल मॉइश्चराइजर : जेल मॉइश्चराइज पानी अधारित फॉर्मूला होता है जो बहुत लाइटवेट होता है. ये हर स्किन टाइप के लिए फायदेमंद होता है. जेल मॉइश्चराइज त्वचा को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ ऑयल फ्री लुक भी देता है.आइए जानते हैं जेल मॉइश्चराइजर त्वचा के लिए कितना फायदेमंद होता है.

ऑयली फ्री लुक मिलेगा: खासतौर पर मानसून के मौसम में मॉइश्चराइज लगाने से चेहरा ऑयली नजर आता है. ऐसा इसलिए क्योंकि मॉइश्चराइजर में ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है जो त्वचा में मिलने के बाद एक्स्ट्रा ऑयल निकलने लगता है. वहीं, जेल बेस्ड मॉइश्चराइज पानी अधारित होते हैं जो स्किन को ऑयली होने से बचाता है.

त्वचा को हाइड्रेट रखता है: गर्मी के मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए मॉइश्चराइज करना जरूरी होता है. जेल मॉइश्चराइजर पानी अधारित होते हैं जिनमें हाइड्रेटिंग फॉर्मूला होता है. ये आपकी त्वचा को मुलायम और नरिश रखने में मदद करता है.

सभी स्किन टाइप के लिए फायदेमंद होता है: जेल बेस्ट मॉइश्चराइजर हर स्किन टाइप के लिए फायदेमंद होता है. फिर चाहे आपकी स्किन ऑयली हों, एक्ने प्रोन और सेंसिटिव हों. ये त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ हाइड्रेटेड रखने में भी मदद करता है.

लंबे समय तक टिका रहता है: हम सभी लोग ऐसा मॉइश्चराइजर चाहते हैं जो त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं. इसके अलावा जेल बेस्ड मॉइश्चराइज त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ- साथ लंबे समय तक टिके रहते है जबकि जेल बेस्ड मॉइश्चराइज त्वचा को हाइड्रेट रखने के साथ- साथ स्किन प्रॉब्लम्स को दूर करता है.

त्वचा में होता है लाइट: जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर पानी अधारित होता है. ये अन्य मॉइश्चराइजर की तरह हैवी नहीं लगता है. ये आपकी त्वचा में आसनी से मिला जाता है और रिफ्रेशिंग लुक देता है।

'दृश्यम 2' फेम इशिता दत्ता ने लगाया हॉटनेस का तड़का

अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 से इशिता दत्ता ने सभी का दिल जीत लिया था. वह हाल ही में परिणीति चोपड़ा के साथ फिल्म द गर्ल ऑन द ट्रेन में नजर आई थीं. इशिता हर बार अपनी एक्टिंग से सभी को इंप्रेस कर लिया है. इशिता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने बोल्ड अवतार से सुर्खियों में बनी रहती हैं. इशिता आए दिन अपनी हॉट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं जो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं. इशिता फिल्मों के साथ टीवी सीरियल में भी काम कर चुकी हैं. वह बड़े पर्दे के साथ छोटे पर्दे पर भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं. वह बेपनाह प्यार, रिश्तों की सौदागर बाजीगर और एक घर बनाऊंगा सीरियल में नजर आ चुकी हैं. इशिता अपने ग्लैमरस अवतार के साथ मजेदार वीडियो शेयर करती रहती हैं. बॉलीवुड फिल्म दृश्यम में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी एक्ट्रेस इशिता दत्ता आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. इशिता दत्ता फिल्म एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता की छोटी बहन हैं. इशिता दत्ता हाल ही में हमें द गर्ल ऑन द ट्रेन फिल्म में नजर आई थीं. सोशल मीडिया पर इस फिल्म की खूब चर्चा हुई थी।

कर्तव्य पथ पर चलेगा देश

दिल्ली के ऐतिहासिक राजपथ का नाम बदल गया है। राजपथ को अब कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाएगा। सरकार ने ऐतिहासिक राजपथ और राष्ट्रपति भवन से लेकर इंडिया गेट तक फैले सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर %कर्तव्य पथ करने का फैसला किया है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर %कर्तव्य पथ करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा से लेकर राष्ट्रपति भवन तक पूरा मार्ग और क्षेत्र कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में औपनिवेशिक सोच दर्शाने वाले प्रतीकों को समाप्त करने पर जोर दिया था। आजादी के बाद प्रिंस एडवर्ड रोड को विजय चौक, क्वीन विक्टोरिया रोड को डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड, %किंग जॉर्ज एवेन्यू रोड का नाम बदलकर राजाजी मार्ग किया गया था। इन महत्वपूर्ण सड़कों के नाम अंग्रेजी ब्रिटिश सम्राटों के नाम पर थे। वहीं दूसरी ओर दिल्ली में भारतीय शासकों और शासक राजवंशों के नाम पर भी सड़कों के नाम थे। जैसे फिरोजशाह रोड, पृथ्वीराज रोड, लोदी रोड, औरंगजेब रोड, अकबर रोड आदि। मोदी सरकार के कार्यकाल में कई रास्तों का का नाम बदला गया है। साल 2015 में रेसकोर्स रोड का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया, जहां प्रधानमंत्री आवास है। साल 2015 में औरंगजेब रोड का नाम बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम रोड किया गया। साल 2017 में डलहौजी रोड का नाम दारा शिकोह रोड कर दिया गया। इस तरह से ऐसा लगता है कि देश चुन-चुनकर अब अंग्रेजों की परछाई से निकल रहा है। ब्रिटिश काल में राजपथ को किंग्सवे कहा जाता था। 1911 में किंग जॉर्ज पंचम दिल्ली दरबार में हिस्सा लेने के लिए यहां आए थे। इस दौरान कोलकाता की जगह दिल्ली को भारत (ब्रिटिश शासन) की राजधानी बनाने की घोषणा हुई थी। इसलिए अंग्रेजों ने किंग जॉर्ज पंचम के सम्मान में इस जगह का नाम किंग्सवे रखा था। किंग्सवे के रूप में यह ब्रिटिश हुकूमत की शाही पहचान का प्रतीक था। स्वतंत्रता के बाद 1955 में इसका नाम राजपथ किया गया। किंग्सवे से राजपथ और अब कर्तव्य पथ तक की इसकी यात्रा बदलाव, बदलते अर्थों और पहचानों का एक उदाहरण है। किंग्सवे के रूप में, यह जुलूस पथ एक साम्राज्यवादी शासन के लिए भय की भावना का आह्वान करने के लिए बनाया गया था। रायसीना हिल से इस पथ की ढलान पुराना किला की तरफ इशारा करती थी। बाद में इसके बीच में नेशनल स्टेडियम बनाया गया। इसे ताकत के प्रतीकात्मक धुरी के रूप में डिजाइन किया गया था। इसकी विस्तृत विस्टा और फुटपाथ के साथ, दोनों तरफ बगीचा था। साथ ही यहां फव्वारे की एक श्रृंखला थी। इंडिया गेट पर %छतरी जिसमें एक राजा की मूर्ति रखी गई थी। इंडिया गेट के आसपास सभी गोल चक्कर औपनिवेशिक प्रतीकों का पर्याय बन गए थे। भले ही इसके डिजाइन से छेड़छाड़ नहीं किया गया है लेकिन राजपथ को जो मौजूदा परिदृश्य है वह बिल्कुल बदल चुका है। राजपथ को पहले एलीट क्लास के लिए एक सड़क के रूप में देखा जाता था। जब इसका नाम जनपथ किया गया तो इस मूल में भी बदलाव देखने को मिला। यह, वास्तव में आम आदमी के लिए एक सड़क बन गई है। राजपथ से देश ने आजादी के बाद कई विरोध आंदोलनों का जन्म होते देखा है। 1988 में यहां से किसानों का विशाल विरोध प्रदर्शन हुआ था। 2012 में निर्भया की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन भी यहीं हुआ था। साल 2019 में सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का गवाह भी ऐतिहासिक राजपथ रहा है।

पितरों की आत्मशांति के लिए करे श्राद्ध!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

श्राद्ध वास्तव में अपने दिवंगत पूर्वजो की आत्मशांति के लिए एक ऐसा सद्कर्म है।जिसके माध्यम से पितर न सिर्फ प्रसन्न होते है बल्कि उन्हें आत्मसंतुष्टि भी मिलती है।यह अवसर पितरों को याद करने ,उनके प्रति श्रद्धा भाव अभिव्यक्त करने का है।हिन्दू धर्म में पितृपक्ष का काफी महत्व है।पितृ पक्ष पर पितरों की मुक्ति के लिए कार्य किए जाते हैं। पितृपक्ष में पूर्वजों का आशीर्वाद लिया जाता है और गलतियों के लिए क्षमा मांगी जाती है। इन दिनों में पूर्वजों या पितरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं और उनके लिये पिण्डदान करते हैं। पितृ पक्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से शुरू होता है और आश्विन मास की अमावस्या तक चलता है।इस बार पितृ पक्ष अर्थात प्रतिपदा श्राद्ध, 10 सितंबर सन2022 से शुरू हो रहे हैं, जो 25 सितंबर सन 2022 तक चलेंगे।इन 16 दिनों में परिवार के उन मृत सदस्यों के लिए श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु शुक्ल और कृष्ण पक्ष प्रतिपदा में हुई थी। मान्यता है कि श्राद्ध करने से घर में सुख-समृद्धि आती है. प्रतिपदा श्राद्ध को पड़वा श्राद्ध के नाम से भी जाना जाता है।

श्राद्ध वाले दिन सुबह उठकर स्नान कर देव स्थान व पितृ स्थान को गाय के गोबर से लिपकर व गंगाजल से पवित्र कर लेना चाहिए। महिलाएं शुद्ध होकर पितरों की याद में पितरों की रुचि का भोजन बनाये। इसके बाद ब्राहम्ण को घर पर बुलाकर या मंदिर में पितरों की पूजा और तर्पण का अनुष्ठान कराएं। आप ये काम खुद भी कर सकते हैं। पितरों के समक्ष अग्नि में गाय का दूध, दही, घी और खीर अर्पित करें। उसके बाद पितरों के लिए बनाए गए भोजन के चार ग्रास निकालें जिसमें एक हिस्सा गाय, एक कुत्ते, एक कौए और एक अतिथि के लिए रखें। गाय, कुत्ते और कौए को भोजन डालने के बाद ब्राहम्ण को आदरपूर्वक भोजन कराएं, उन्हें वस्त्र और दक्षिणा दें। ब्राहम्ण के रूप में आपका दामाद या ध्याना भी हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति किसी कारणों से बड़ा श्राद्ध नहीं कर सकता तो उसे पूर्ण श्रद्धा के साथ अपने सामर्थ्य अनुसार उपलब्ध अन्न, साग-पात-फल और दक्षिणा किसी ब्राह्मण को आदर भाव से दे देनी चाहिए।

श्राद्ध पक्ष के दिनों में ।।ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।।मन्त्र का वाचन करना चाहिए। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन श्राद्ध की शुरूआत और समापन में ।।देवताभ्यः पितृभ्यश्च महायोगिभ्यन एव च। नमः स्वाहायै स्व धायै नित्ययमेव भवन्युव त।।का वाचन करे।

आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से पितृ पक्ष श्राद्ध आरंभ होता है। पितृ पक्ष पितरों को याद करने का समय माना जाता है। पितर 2 प्रकार के होते हैं एक दिव्य पितर और दूसरे पूर्वज पितर। दिव्य पितर ब्रह्मा के पुत्र मनु से उत्पन्न हुए ऋषि हैं। पितरों में सबसे प्रमुख अर्यमा हैं जिनके बारे में गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि पितरों में प्रधान अर्यमा वे स्वयं हैं।

दूसरे प्रकार के पितर पूर्वज होते हैं। पितृपक्ष में अपने इन्हीं पितरों को लोग याद करते हैं और इनके नाम से पिंडदान, श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाते हैं। कठोपनिषद्, गरुड़ पुराण, मार्कण्डेय पुराण के अनुसार पितर अपने परिजनों के पास पितृपक्ष श्राद्ध के समय आते हैं और अन्न जल एवं आदर की अपेक्षा करते हैं। जिन परिवार के लोग पितृ पक्ष के दौरान पितरों के नाम से अन्न जल दान नहीं करते। श्राद्ध कर्म नहीं करते हैं। उनके पितर भूखे-प्यासे धरती से लौट जाते हैं। इससे परिवार के लोगों को पितृ दोष लगता है। इसे पितृ शाप भी कहते हैं। इससे संतान प्राप्ति में बाधा आती है। परिवार में रोग और कष्ट बढ जाता है।

पितृ पक्ष में जिन तिथियों में पूर्वज यानी पिता, दादा, परिवार के लोगों की मृत्यु हुई होती है उस तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध का नियम है कि दिन के समय पितरों के नाम से श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाना चाहिए। देवताओं की पूजा सुबह में और पितरों की दोपहर में होती है। पूर्वाह्णे मातृकं श्राद्धमराह्णे तु पैतृकम। एकोद्दिष्टं तु मध्याह्ने प्रातर्वृद्धि निमित्तकम।।

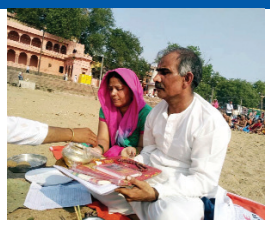

तर्पण विधि - सर्वप्रथम अपने पास शुद्ध जल, बैठने का आसन (कुशा का हो), बड़ी थाली या ताम्रण (ताम्बे की प्लेट), कच्चा दूध, गुलाब के फूल, फूल-माला, कुशा, सुपारी, जौ, काली तिल, जनेऊ आदि पास में रखे।

आसन पर बैठकर तीन बार आचमन करें।

? केशवाय नमः,

? माधवाय नमः,

? गोविन्दाय नमः बोलें।

आचमन के बाद हाथ धोकर अपने ऊपर जल छिड़के अर्थात् पवित्र होवें, फिर गायत्री मंत्र से शिखा बांधकर तिलक लगाकर कुशे की पवित्री (अंगूठी बनाकर) अनामिका अंगुली में पहन कर हाथ में जल, सुपारी, सिक्का, फूल लेकर निम्न संकल्प लें।

अपना नाम एवं गोत्र उच्चारण करें फिर बोले अथ् श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्त्यर्थ देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणम करिष्ये।।

फिर थाली या ताम्र पात्र में जल, कच्चा दूध, गुलाब की पंखुड़ी डाले, फिर हाथ में चावल लेकर देवता एवं ऋषियों का आह्वान करें। स्वयं पूर्व मुख करके बैठें, जनेऊ को रखें। कुशा के अग्रभाग को पूर्व की ओर रखें, देवतीर्थ से अर्थात् दाएं हाथ की अंगुलियों के अग्रभाग से तर्पण दें, इसी प्रकार ऋषियों को तर्पण दें।

फिर उत्तर मुख करके जनेऊ को कंठी करके (माला जैसी) पहने एवं पालकी लगाकर बैठे एवं दोनों हथेलियों के बीच से जल गिराकर दिव्य मनुष्य को तर्पण दें, इसके बाद दक्षिण मुख बैठकर, जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बाएं हाथ के नीचे ले जाए, थाली या ताम्र पात्र में काली तिल छोड़े फिर काली तिल हाथ में लेकर अपने पितरों का आह्वान करें।

? आगच्छन्तु में पितर इमम ग्रहन्तु जलान्जलिम

फिर पितृ तीर्थ से अर्थात् अंगूठे और तर्जनी के मध्य भाग से तर्पण दें।

जो स्वजन अपने शरीर को छोड़कर चले गए हैं चाहे वे किसी भी रूप में अथवा किसी भी लोक में हों, उनकी तृप्ति और उन्नति के लिए श्रद्धा के साथ जो शुभ संकल्प और तर्पण किया जाता है, वह श्राद्ध है। माना जाता है कि सावन की पूर्णिमा से ही पितर मृत्यु लोक में आ जाते हैं और नवांकुरित कुशा की नोकों पर विराजमान हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितृ पक्ष में हम जो भी पितरों के नाम का निकालते हैं, उसे वे सूक्ष्म रूप में आकर ग्रहण करते हैं। केवल तीन पीढ़ियों का श्राद्ध और पिंड दान करने का ही विधान है। कहा जाता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। श्राद्ध पक्ष में मांसाहार पूरी तरह वर्जित माना गया है। श्राद्ध पक्ष का माहात्म्य उत्तर व उत्तर-पूर्व भारत में ज्यादा है। तमिलनाडु में आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में इसे पितृ पंधरवडा नाम से जानते हैं। श्राद्ध स्त्री या पुरुष, कोई भी कर सकता है। श्रद्धा से कराया गया भोजन और पवित्रता से जल का तर्पण ही श्राद्ध का आधार है। श्राद्ध का अनुष्ठान करते समय दिवंगत पूर्वज का नाम और उसके गोत्र का उच्चारण किया जाता है। हाथों में कुश की पैंती (उंगली में पहनने के लिए कुश का अंगूठी जैसा आकार बनाना) डालकर काले तिल से मिले हुए जल से पितरों को तर्पण किया जाता है।

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है। पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो।

एक नौकरी के लिये 100 आवेदन, नौकरी एक को भी नहीं

अनिल चमड़िया

रेलवे भर्ती बोर्ड की ग्रुप डी की परीक्षा उत्तर प्रदेश के 44 केन्द्रों में आयोजित हुई । इसमें परीक्षा छोड़ने वाले उम्मीदवारों की तादाद 40 प्रतिशत से ज्यादा रही है। 103769 पदों के लिए मार्च 2019 में परीक्षा आयोजित की जानी थी। लेकिन यह 17 अगस्त 2022 से शुरु की गई। यह कंप्यूटर आधारित ऑन लाइन परीक्षा हैं । कुल परीक्षार्थियों की संख्या 1,15,67,248 यानी एक पद के लिए सौ से ज्यादा उम्मीदवारों के आवेदन करने का दावा किया गया है। यह परीक्षा तीन से चार महीने तक चल सकती है। परीक्षार्थियों के बीच परीक्षाओं के प्रति भरोसे के कम होने के जो कारण बताए जाते हैं उनमें मुख्यत यही है कि परीक्षा की प्रक्रिया संदेहास्पद हैं। बेरोजगार या बेहतर अवसर की तलाश में रहने वाली पीढ़ी का परीक्षाओं से विश्वास लगातार कम होता जा रहा है। भारतीय शासन व्यवस्था के भीतर यह एक नई परिघटना है। आमतौर पर यह माना जाता है कि संस्थाओं को बेहतर उम्मीदवारो की तलाश रहती है ताकि उस संस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकें । दुनिया भर में यह एक पद्धति विकसित हुई है कि किसी भी जिम्मेदारी को निभाने के लिए एक निश्चित न्यूनतम मानदंड पूरा करने वाले उम्मीदवारों को खुला आमंत्रण दिया जाता है। पूंजीवादी अर्थ व्यवस्था में बेरोजगारी बनाए रखना अच्छा समझा जाता है ताकि कम से कम कीमत में ज्यादा से ज्यादा अच्छा उम्मीदवार का किसी पद या जिम्मेदारी के लिए चयन किया जा सके। इस तरह की खबरें बहुत चर्चा में रहती है कि न्यूनतम स्तर के पदों के लिए उच्चतम स्तर की डिग्रियां लेने वाले आवेदन करते हैं ताकि वह बेरोजगारी के हालात से बाहर आ सकें। जैसे किसी विभाग में चतुर्थ श्रेणी के लिए विश्वविद्यालयों से प्राप्त सबसे बड़ी डिग्री के धारक आवेदन करते हैं। पदों की संख्या चाहें जितनी कम हो बेरोजगारों की एक बड़ी भीड़ उसे हासिल करने की प्रक्रिया में खुद को मालि कर लेती है। समय, श्रम और पैसे खर्च करके नौकरी के लिए इंटरव्यू या लिखित परीक्षा के लिए तिथि का इंतजार करने लगती है। फिर परीक्षा की तैयारी के लिए पैसे खर्च करती है। परीक्षा के लिए दूर दराज के शहरों तक धक्के खाकर यात्रा करती है। परीक्षा के खत्म होने के बाद परिणाम का इंतजार करती है लेकिन उससे पहले परीक्षा के रद्द किए जाने की आशंका से पीड़ित और भयभीत रहती है। बेरोजगारी तक पहुंचने के लिए जीवन का जो हिस्सा गुजरता है उसके बाद रोजगार युक्त कहलाने के लिए जिंदगी का उतना ही वक्त गुजर सकता है। उसके साथ उसका पूरा परिवार भी यातनाओं के जंजाल में फंसा रहता है।

लेकिन पिछले कुछ वर्षों से इस हालात के भीतर एक नई बात हुई है। वह कि बेरोजगारी से निकलने तक की जो प्रक्रियाएं रही है ,उसके प्रति भी भरोसा खत्म हो रहा है। यह आकरण नहीं है कि पिछले वर्ष आत्म हत्या करने वालों की तादाद बढ़ी है और उनमें सबसे ज्यादा संख्या रोजगार खोने वालों व रोजगार प्राप्त करने में सफल नहीं हो पाने वालों की हैं। बेरोजगारी से निकलने की प्रक्रिया आत्म हत्या के हालात तक पहुंचने के अलावा दूसरा रास्ता नहीं छोड़ती है। एक चिंताजनक सवाल यहां सामने खड़ा होता है कि क्या रोजगार हासिल करने की प्रक्रिया लगातार अविश्वसनीय होती जा रही है ? और इससे समाज में हताशा एवं निराशा के हालात बढ़ेंगे और आत्म हत्याओं की संख्या भी बढ़ेगी और साथ ही साथ भारतीय दंड विधान संहिता में परिभाषित अपराधों की भी घटनाएं बढ़ेंगी? इस तरह की चिंताजनक स्थिति के मजबूत लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

लेखक इस चिंता को जाहिर करने के लिए क्यों बाध्य हुआ है ,इसके लिए कुछेक उदाहरण दिए जा सकते हैं। एक पीएचडी धारक को छत्तीसगढ़ से दिल्ली के एक कॉलेज में एक पद के लिए इंटरव्यू यानी मौखिक परीक्षा के लिए आना था। पहला तो उसने यह भरोसा खो दिया है कि किसी भी संस्थान में नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकलें । उनमें यह तय है कि किसी दलित , किसी आदिवासी , किसी पिछड़े वर्ग के सदस्य की नियुक्ति उन पदों पर हो सकती है जो कि सामान्य के लिए आरक्षित हैं। सामान्य के लिए आरक्षित होने का मतलब भारतीय समाज में वर्चस्व रखने वाली जातियों के सदस्यों से हैं जिन्हें आमतौर पर उँची जाति व सवर्ण के रुप में संबोधित किया जाता है। नियुक्तियों के संदर्भ में सामान्य का मतलब सवर्ण किया जा चुका है। दूसरा आर्थिक रुप से कमजोर का मतलब भी सवर्ण किया जा चुका है। यानी सामाजिक तौर पर अवर्ण या शुद्र के लिए कुछेक जगहें ही निश्चित कर दी गई है।

भारतीय दर्शन की आज पूरे विश्व को आवश्यकता है

सूडोकु नवताल- 6188

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल 6187 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

प्रहलाद सबनानी

भारत वर्ष 2047 में, लगभग 1000 वर्ष के लम्बे संघर्ष में बाद, परतंत्रता की बेढ़ियां काटने में सफल हुआ है। इस बीच भारत के सनातन हिंदू संस्कृति पर बहुत आघात किए गए और अरब आक्रांताओं एवं अंग्रेजों द्वारा इसे समाप्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई थी। परंतु, भारतीय जनमानस की हिंदू धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा एवं महान भारतीय संस्कृति के संस्कारों ने मिलकर ऐसा कुछ होने नहीं दिया।

भारत में अनेक राज्य थे एवं अनेक राजा थे परंतु राष्ट्र फिर भी एक था। भारतीयों का एकात्मता में विश्वास ही इनकी विशेषता है। आध्यात्म ने हर भारतीय को एक किया हुआ है चाहे वह देश के किसी भी कोने में निवास करता हो और किसी भी राज्य में रहता हो। आध्यात्म आधारित दृष्टिकोण है इसलिए हम सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। आध्यात्मवाद ने ही भारत के नागरिकों की रचना की है और आपस में जोड़ा है। इसके चार पहलू हैं -

भारतीय मूल रूप से सहिष्णु हैं। यह हम भारतीयों की विशेषता है। भारत कभी भी ÷केवल÷ का नहीं रहा, यह सभी का है, ऐसा विश्वास किया जाता है। केवल मेरा ही सच है, बाकी सब झूठ ही है, इस सिद्धांत पर भारत ने कभी भी विश्वास नहीं किया है। भारत सभी को अपने आप में आत्मसात करता है। मुझमें भी ईश्वर, आप में भी ईश्वर। इस सिद्धांत पर विश्वास करता है। भारतीय दर्शन विविधता में एकता एवं अनेकता में एकता देखता है। भारत अनेकता को भेद नहीं मानता है। भारत, नए आने वाले मानव समूहों की विशेषताओं को जीवित रखकर अपने आप में मिला लेता है। यह सामंजस्य भी हिंदू ही हो जाता है, यह भी भारत की विशेषता है। भारतीय दर्शन में ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक मनुष्य ईश्वर का अंश है। प्रत्येक मानव अपने देवत्व को जगाकर नारायण का रूप बन सकता है। यह विशेषता सभी भारतीयों में समान रूप से है, यह मानने वाला भारत ही है।

भारत के प्रत्येक घर में कई देवी देवताओं की मूर्तियों का निवास रहता है एवं इनकी समान रूप से पूजा अर्चना की जाती है। इस प्रकार का संग्रहण और इस संग्रहण को समान दर्जा देना भी भारतीयों की विशेषता है। उक्त वर्णित चारों विशेषताओं को आत्मसात करने वाले व्यक्ति को हिंदू कहा जा सकता है और इस दर्शन को हिंदुत्व कह सकते हैं। पारिवारिक, व्यावसायिक, सामाजिक वातावरण में यह भावना झलकनी चाहिए। हिंदुत्व केवल एक कल्पना नहीं है बल्कि यह एक जीवन दर्शन है और जीवन जीने की कला है। आज जब पूरे विश्व में आतंकवाद फैला है ऐसे में पूरे विश्व में ही इस जीवन दर्शन को अपनाने की महती आवश्यकता है।

भारतीय दर्शन में यह भी निहित है कि राजा का यह धर्म है कि उसके राज्य में समाज का प्रत्येक व्यक्ति सम्पन्न बने, चाहे वह किसी भी पूजा पद्धति को मानने वाला हो एवं किसी भी मत, पंथ का हो। धर्म सभी नागरिकों को एक जैसे भाव से देखने की सीख देता है एवं इनके बीच किसी भी प्रकार का भेद भाव नहीं होना चाहिए। जिन लोगों की समाज में अधिक आय है उनके लिए कहा गया है कि वे समाज की भलाई के लिए आगे आएं एवं समाज के लिए सहायता का कार्य करें, यह उनका धर्म है। इसीलिए कहा जाता है कि अपने स्वयं के लिए जब मकान का निर्माण कराया जाता है तो इसे ÷घर÷ कहा जाता है परंतु जब समाज के लिए मकान का निर्माण किया जाता है तो इसे ÷धर्मशाला÷ कहा जाता है। समाज के लिए किए जाने वाले अच्छे कार्यों में धर्म अपने आप ही जुड़ जाता है। समाज को केवल ÷देना÷, ÷भिक्षा÷ अथवा ÷दान÷ कहा जाता है और यदि समाज को ससम्मान लौटाया जाता है तो इसे ÷धर्म÷ कहते हैं। इस प्रकार धर्म सभी को जोड़ना सिखाता है न कि आपस में बांटना।

अकबर, औरंगजेब और अल्लाद्दीन के समय हिंदुओं को कौन जोड़कर रखे हुए था। 15वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन की दूसरी लहर उत्तर भारत में प्रारम्भ हुई जबकि इसके पूर्व भक्ति आंदोलन की प्रथम लहर दक्षिण भारत में प्रारम्भ हो चुकी थी। आसाम, केरल एवं पंजाब आदि में लगभग एक ही समय पर भक्ति आंदोलन की शुरुआत हुई।

हिजाबः हिरन पर क्यों लादे घांस?

डॉ.वेदप्रताप वैदिक

आजकल सर्वोच्च न्यायालय में बहस चल रही है कि कर्नाटक की मुस्लिम छात्राएं हिजाब पहनें या न पहनें? उच्च न्यायालय ने हिजाब पर पाबंदी को उचित ठहराया है। यहां बहस यह नहीं है कि हिजाब पहनना उचित है या नहीं? सिर्फ स्कूल की छात्राएं पहने या न पहनें, यह प्रश्न है। इस मुद्दे पर पहला सवाल तो यही उठना चाहिए कि हिजाब पहना ही क्यों जाए? क्या इसलिए पहना जाए कि डेढ़ हजार साल पहले अरब देशों की औरतें उसे पहनती थीं? उनकी नकल हिंदुस्तान की औरतें क्यों करें? क्या उन अरब औरतों की नकल हमारी लड़कियां करेंगी तो क्या वे बेहतर मुसलमान बन जाएंगी? हमारे भारतीय मुसलमान भी समझते हैं कि वे अरबों की तरह कपड़े पहनें, दाढ़ी रखें, टोपी पहनें तो वे बेहतर मुसलमान बन जाएंगे। मेरा निवेदन यह है कि बेहतर मुसलमान बनने के लिए अरबों की नकल करना जरुरी नहीं है। जरुरी है कुरान शरीफ की उत्तम शिक्षाओं पर अमल करना। हमारे भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान आदि के मुसलमानों को मैं दुनिया का बेहतरीन मुसलमान मानता हूं, क्योंकि उन्हें हजारों वर्षों का आर्य-संस्कार परंपरा में मिला है जबकि पैगंबर मोहम्मद के पहले तो सारा अरब जगत अंधकार (जहालत) में डूबा हुआ था। लेकिन जहां तक हिजाब का सवाल है, वह न बुर्के की तरह है और न ही नकाब की तरह! उससे चेहरा भी नहीं छुपता है। वह हिंदू टीके, सिख पगड़ी और ईसाई क्रॉस की तरह है। इसीलिए उस पर एतराज क्यों होना चाहिए लेकिन मेरा सवाल यह भी है कि यदि हिजाब, नकाब और बुर्का मुस्लिम औरतों के लिए लाजिम है तो मुस्लिम मर्दों के लिए भी वह अनिवार्य क्यों नहीं होना चाहिए? जब औरत और मर्द को बराबरी का हक हैं तो यह फर्क क्यों? वैसे हिजाब ऐसा ही है, जैसे कि हिंदू औरतें कभी पर्दा किया करती थीं। पर्दे या घूंघट में मुंह छिपाने या दिखाने के दोनों विकल्प खुले होते हैं लेकिन पर्दा-प्रथा के विरुद्ध हिंदू समाज-सुधारकों ने जमकर मुहीम चलाई और उसका असर भी व्यापक हुआ। देश के मुस्लिम नेताओं और मौलानाओं को चाहिए कि वे इन गई-गुजरी पुरानी प्रथाओं से चिपके रहने का विरोध करें और भारत की मुस्लिम महिलाओं को आधुनिकता का पाठ पढ़ाएं। हिंदू और मुस्लिम औरतों पर पर्दा और हिजाब वैसा ही है, जैसा कि हिरन पर घांस लादना। जहां तक मुस्लिम छात्राओं का सवाल है, उन पर हिजाब लादने की कोई तुक ही नहीं है। पर्दा या हिजाब तो प्रायः विवाहित स्त्रियां ही करती हैं, ये जबर्दस्ती का बोझा स्कूल की बच्चियों पर क्यों लादा जाए? यहां सवाल मजहबी प्रतीकों की रक्षा का नहीं है बल्कि यह है कि घिसी-पिटी पुरानी सामाजिक परंपराओं को मजहबी जामा पहनाना जरुरी है क्या?

पोषण आहार परिवहन में दो हजार करोड़ का घोटाला, जांच कराने कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

-मुख्यमंत्री के पास है उक्त विभाग, जिसमें हुआ महा घोटाला

मुरैना। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सरकार में अभी हाल ही में महालेखाकार की रिपोर्ट के अनुसार महिला बाल विकास विभाग में पोषण आहार परिवहन में 2000 करोड़ रूपये का घोटाला सामने आया है। महालेखाकार ने म.प्र सरकार से किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की सिफारिश की है, जिसमें पोषण आहार का परिवहन करने वाले ट्रकों पर मोटर साइकिल के नंबर निकले, जिन प्लांट में माल ही नहीं था, वहां से करोडों रूपये का राशन सप्लाई होना बताया है। इस प्रकार भाजपा सरकार ने सप्लाई से लेकर परिवहन तक हर स्तर पर बच्चों एवं महिलाओं के पोषण के लिये जाने वाले पोषण आहार में 2000 करोड से ज्यादा का घोटाला किया है, जो कि अतिसंवेदनशील मामला है। अब तो ऐसा लगता है जैसे मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार का मुख्य काम भ्रष्टाचार करना रह गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य की छवि पूरे देश में घोटाला प्रदेश के रूप में बना दी है, जिनमें पूर्व में घटित घोटाले क्रमशः व्यापमं घोटाला, डंपर घोटाला, ई-टेंडर घोटाला के बाद अब प्रदेश में पोषण आहार परिवहन घोटाला सामने आया है। दरअसल मध्यप्रदेश के महालेखाकार ने 36 पन्नों की मीडिया में प्रकाशित एक गोपनीय रिपोर्ट में महिला बाल विकास विभाग में हुआ यह घोटाला उजागर किया है। रिपोर्ट के मुताबिक विभाग ने 2021 तक 4.05 मीट्रिक टन टेंक होम राशन का वितरण किया और 1.35 करोड़ लाभार्थियों पर 2393.21 करोड़ रूपय खर्च किए। रिपोर्ट में स्पष्ट बताया गया है कि जिन ट्रकों से राशन ट्रांसपोर्ट करने का दावा किया गया है, वे ट्रक थे ही नहीं और उनके नंबर मोटरसाइकिल, कार, ओटो रिक्शा और दूसरे छोटे वाहनों के निकले। इनमें से कोई नंबर ट्रक का पाया ही नहीं गया। इसी तरह धार, मंडला, रीवा, सागर और शिवपुरी के छः प्लांटों ने बडे पैमाने पर राशन की सप्लाई दर्शाई गई, जबकि जांच में पता चला कि इन प्लांटों में राशन का स्टॉक ही नहीं था। अतः कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से इस्तीफे की मांग करती है एवं राज्यपाल से आग्रह करती है कि दोषी अधिकारियों एवं नेताओं के सख्त से सख्त कार्यवाही कर जेल भेजा जाये, ताकि आगे से भ्रष्ट अधिकारी एवं नेताओं के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया जा सके। ज्ञापन देते समय शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक शर्मा ने मुरैना एस.डी.एम शिवलाल शाक्य से कहा कि मुरैना में भी आंगनवाडी स्तर पर पोषण आहार में जमकर धांधलेबाजी हो रही है, जहां सैकड़ों बच्चों के नाम कागजों में चलाये जा रहे है, वहीं 4-6 बच्चे ही आंगनवाडी पर आते हैं, बकाया सभी बच्चों का पोषण आहार महिला बाल विकास कर्मचारी एवं आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा आपस में बंदर-बांट किया जा रहा है , यह बात किसी से छिपी नहीं है। अब यह अनियमितता नहीं चलेगी, बहुत जल्द कांग्रेस एक समिति बनाकर समय-समय पर आंगनवाडी निरीक्षण का काम करेगी।

अंडर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर महिलाओं ने दिया धरना

- 38 वें दिन भी जारी रही भूख हड़ताल

कैलारस। नगर के अंतर्गत अस्पताल के सामने आवागमन के लिए हजारों लोगों के परंपरागत मार्ग पर अंडर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी धरने के रूप में व्यक्त की। सरकार की ओर से कोई कार्यवाही नहीं होने से महिलाओं में आक्रोश व्याप्त है। हालांकि भूख हड़ताल 38 वें दिन भी जारी रही। भूख हड़ताल पर बैठने वालों में अमर सिंह जाटव, कालीचरण जौनवार, नरेश रजक, समीर खान, विजेंद्र सिंह परमार आदि प्रमुख रहे। भूख हड़ताल पर मोहल्ला वासी गब्बर सिंह गोहिल द्वारा माल्यार्पण कर बिठाया गया। महिलाओं के धरने का नेतृत्व श्रीमती सलमा बेगम, मिथिलेश श्रीवास, मुन्नी देवी, हलुकी बाई आदि ने किया। मंत्री गणों व अफसरों को लगातार ज्ञापन दिए जा रहे हैं। कार्यवाही नहीं होने पर सत्याग्रह व आंदोलन तीव्र करने की तैयारी जारी है।

अवयस्क के साथ छेडछाड के आरोपी को 3 वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदण्ड

मुरैना। अवयस्कर अभियोक्त्री के साथ छेडछाड करने के मामले में माननीय न्यायालय श्रीमती शिप्रा पटेल, न्यायालय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट 2012) अष्टम अपर सत्र न्यायाधीश मुरैना ने प्र.क्र. 57/2021 में आरोपी रविन्द्र सिंह तोमर पुत्र भीकम सिंह तोमर आयु-35 वर्ष निवासी ग्राम गढिया बुधारा थाना पोरसा जिला मुरैना को धारा 7/8 पॉक्सो एक्ट में तीन वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार रूपए अर्थदण्ड व धारा अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(एस) में 06 माह का सश्रम कारावास व एक हजार रूपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मीडिया सेल प्रभारी (अभियोजन) श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि 09 मार्च 2021 को अभियोक्त्री के गांव में रहने वाले डिप्टी तोमर के खेत में अभियोक्त्री, उसकी मां भतीजा सरसों की कटाई करने जा रहे थे तब रास्ते में अभियुक्त रविन्द्र तोमर ने अभियोक्त्री का रास्ता रोक बुरी नीयत से दायां हाथ पकडकर उसका दायां स्तन दबा दिया। उक्त रिपोर्ट पर से आरक्षी केन्द्रक पोरसा में अपराध क्रमांक 113/21 पंजीबद्ध किया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण पॉक्सो एक्ट का होकर गंभीर प्रकृति का था। माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर आरोपी को दण्डित किया है। उक्त प्रकरण में पैरवी विशेष लोक अभियोजक/अति. जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा उमरैया द्वारा की गई।

आर्म्स एक्ट के आरोपी को 02 वर्ष का कारावास

मुरैना। न्यायालय श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला मुरैना के न्यायालय द्वारा आरोपी नीतेश उर्फ छिंगा पुत्र शंकर जाटव, उम्र-26 वर्ष, निवासी-ग्राम भरभूंजा वाली गली गोपालपुरा जिला मुरैना को आयुध अधिनियम की धारा 25(1-बी)ए में दोषी पाते हुये 02 वर्ष के कठोर कारावास व 1,000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन अधिकारी/मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि थाना कोतवाली में पदस्थ सहायक उप-निरीक्षक थाना से रवाना होकर गस्त करते हुये पुलिस को देखकर भागने वाले नीतेश उर्फ छिंगा जाटव निवासी गोपालपुरा से एक 315 बोर का कट्टा एक जिंदा राउण्ड 315 बोर बरामद किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्रीमती चित्राशी मौर्य, सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी जिला मुरैना द्वारा की गई।

विश्व के समस्त धर्मों में ब्रह्मचर्य धर्म सबसे पवित्र और पावन है: जिनेश जैन

-पर्युषण पर्व के समापन पर जिनालयों में हुआ भगवान का अभिषेक व शांतिधारा

अंबाह। शुक्रवार को दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण पर्व का उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पूजन के साथ समापन किया गया। धर्म की महिमा बताते हुए जैन समाज के अध्यक्ष जिनेश जैन ने बताया कि उत्तम ब्रह्मचर्य मन लावे, नर सुर सहित मुक्ति फल पावे, अर्थात् उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के पालने वाले को मोक्ष लक्ष्मी की प्राप्ति अवश्य ही होती है। जिस प्रकार मंदिर बनाने के बाद स्वर्ण कलश चढ़ाते हैं। उसी प्रकार यह ब्रह्मचर्य धर्म पर चढ़ा हुआ स्वर्ण कलश ही है जो दस धर्मों के अंत में आता है। श्री जैन ने बताया कि पांच इंद्रियों को वशीभूत करके उनको अपने में समेटकर जो केवल अपनी शुद्ध आत्मा स्वरूप में ही रमण करता है। उन्होंने कहा कि क्षण भर के लिए भी जिसकी दृष्टि बाहर नहीं है वह आचरण ही ब्रह्मचर्य धर्म है। विश्व के समस्त धर्मों में ब्रह्मचर्य को पवित्र पावन माना है। यह समस्त साधनाओं का मूल है। जिनेश जैन ने बताया कि जैन धर्म में पर्युषण को महान पर्व के रूप में माना गया है। दस दिनों में श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ दस धर्मों की पूजा अर्चना की। मंदिरों में प्रतिदिन नित्य नियम पूजन के साथ भगवान का अभिषेक, शांतिधारा मंदिर के पुजारियों द्वारा की गई एवं श्रद्धालुओं ने प्रतिदिन मंदिर आकर भगवान के दर्शन किए। इस अवसर पर भगवान के अभिषेक के साथ शांतिधारा की गई एवं भगवान वासुपुज्य के निर्वाण दिवस पर सभी श्रद्धालुओं ने निर्वाण कांड का वाचन करते हुए लाडू चढ़ाकर महाआरती की। पूजन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजलि जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

धर्मशाला में रूके बीएड के छात्र ने लगाई फांसी, पुलिस मौके पर पहुंची, कारण अज्ञात

मुरैना। सिटी कोतवाली के अंतर्गत पुराना बस स्टैंड स्थित पतराम सीताराम धर्मशाला में रुके एक छात्र ने शुक्रवार की सुबह कमरे में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम को बुलाकर मौका मुआयना किया। फिलहाल आत्महत्या का कारण ज्ञात नहीं हो सका है, पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुमार गौरव पुत्र बिंदु कुमार उम्र 25 निवासी गाँव घोंस जिला सहसराम बिहार का युवक मुरैना में बीएड की परीक्षा देने के लिए आया हुआ था और यहां पुराना बस स्टैंड स्थित सीताराम पतिराम धर्मशाला में कमरा लेकर रुका हुआ था। थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम दृष्टया घटनास्थल देखकर स्पष्ट होता है कि युवक ने स्वयं आत्महत्या की है, क्योंकि उसके एक हाथ में पंखे की धूल पाई गई है। आज ही मुरैना पहुंची मृतक छात्र के मामा की लड़की से भी पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि जब वह मुरैना आ रही थी तो रास्ते में लगभग 10 बजे उसने कुमार के मोबाइल पर फोन किया था और 33 सेकंड बातचीत हुई थी, जिसमें उसने कुमार से पूछा कि उसका प्रवेश पत्र कहां है और कुमार ने बताया कि प्रवेश पत्र मेरे पास रखा हुआ है। इस बातचीत के बाद जब मामा की लड़की धर्मशाला पहुंची तो पता चला कि कुमार ने आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ स्पेशल टीम को लेकर मौके पर पहुंचे तथा पंचनामा तैयार कर लाश को पीएम हेतु भिजवाया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

गुर्जर एवं सिकरवार भाई -भाई, ब्राह्मण, वैश्य, शूद्र को छोड़कर सभी क्षत्रिय: वृंदावन सिंह

-विधायक राकेश मावई ने क्षत्रिय समाज द्वारा की गई पहल की सराहना की

मुरैना। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नारायण सिंह तोमर एवं एवं आगामी अक्टूबर माह में मनाए जाने वाले दशहरा पर्व को लेकर आयोजित बैठक से पूर्व प्रेस वार्ता में क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वृंदावन सिंह सिकरवार ने गुर्जर और सिकरवारों को लेकर कहा कि गुर्जर एवं बढ़गुर्जर दोनों भाई-भाई हैं। सिकरवार बढ़ गुर्जर के नाम से जाने जाते हैं तथा उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में भी इसी संबोधन से बुलाया जाता है। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय संरक्षक एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का हमेशा कहना रहता है कि ब्राह्मण, वैश्य, शूद्र को छोड़कर बाकी सब क्षत्रिय हैं। इस अवसर पर विधायक राकेश मावई ने क्षत्रिय समाज द्वारा की गई पहल की सराहना की और कहा कि एक नाव में बैठाने का कार्य मंच से किया गया है, जो आगे आने वाली पीढ़ी के लिए लाभदायक होगा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वृंदावन सिंह सिकरवार ने कहा कि आगामी 5 से 10 अक्टूबर के बीच भव्य दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि गुर्जर समाज से हमारा सिकरवारों का करीबी रिश्ता रहा है। सुमावली विधानसभा की स्थिति से हमारा राजपूतों का और हमारे छोटे भाई गुर्जर समाज में दूरियां बढ़ती गई, जो आज तक हैं, लेकिन हम उन दूरियों को समाप्त करना चाहते हैं और अपने बड़े बुजुर्गों और वेदों की बात को नजर अंदाज नहीं कर सकते, इस वजह से मैं बार-बार यही कहूंगा कि ब्राह्मण, वैश्य, शूद्र को छोड़कर सभी राजपूत हैं और क्षत्रिय हैं। संगठन के प्रमुख महामंत्री रामबल सिंह ने कहा कि महासभा द्वारा 1 वर्ष के लिए नवीन जिलाध्यक्ष के पद पर नारायण सिंह तोमर की नियुक्ति की गई है एवं आगामी वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई। उन्होंने कहा कि आगामी अक्टूबर में भव्य स्तर पर दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व नवीन जिलाध्यक्ष द्वारा जिला इकाई, ब्लॉक अध्यक्ष, नगर इकाई एवं ग्राम इकाई का गठन किया जाएगा। शहर के सिद्ध नगर इलाके में क्षत्रिय महासभा की जगह है, जिस पर धर्मशाला का भूमि पूजन कराकर निर्माण कार्य शुरू करना है। इसके अलावा समाज के जो पदाधिकारी समाज हित में अच्छे कार्य कर रहे हैं एवं कक्षा 10 एवं 12वीं के मेधावी छात्र जिन्होंने परीक्षा परिणामों में समाज को गौरवान्वित किया है तथा समाज के वह व्यक्ति जो सरकारी विभागों में कार्य कर रहे हैं, उन सभी का सम्मान आगामी समय में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज में भाईचारा बनाना है और युवा पीढ़ी जो भटक रही है।

सायबर सेल टीम ने 55 लाख रूपये के 220 गुम मोबाईल किये बरामद

मुरैना। पिछले कुछ वर्षों में चोरी एवं गुम हुए सैकड़ों मोबाइलों को तलाशने का काम कर रही मुरैना पुलिस की साइबर टीम ने मुरैना जिले के अलावा अन्य राज्यों से 2 सैकड़ा से अधिक कीमती मोबाइल फोन बरामद किए हैं, लेकिन इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी द्वारा बरामद किए गए मोबाइल उनके मालिकों को वापस किए गए हैं, जिससे लोगों में मोबाइल लौटने की खुशी नजर आ रही थी।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चोरी एवं गुम हुए मोबाइलों की बरामदगी हेतु साइबर सेल टीम को लगाया गया था जिसने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए विभिन्न जिलों एवं राज्यों से 220 कीमती मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी कीमत 55 लाख रुपए बताई गई है। विशेष अभियान के तहत सायबर सेल के प्रभारी उनि. सचिन पटेल एवं उनकी सायबर टीम द्वारा गुम मोबाईलों की ट्रेकिंग की गई। गुम हुए मोबाईल मध्य प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों के विभिन्न शहरों से प्राप्त कर 220 मोबाईल रिकव्हर किये गये । उक्त कार्यवाही में उनि. सचिन पटेल, (प्रभारी सायबर सेल) व उनकी टीम के आर. रवि पटेल, अजीत सिंह, सर्वजीत भदौरिया, प्रशांत नरवरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक द्वारा सायबर सेल टीम को नगद पुरस्कार से पुरूस्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

जन शिक्षण संस्थान भिण्ड में कौशल प्रतियोगिता विजेताओं को पुरूस्कार वितरण

भिण्ड। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान भिण्ड में शिक्षक दिवस के अवसर पर पाँच दिवसीय गतिविधि के समापन पर कौशल प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरूस्कृत किया गया। जन शिक्षण संस्थान के निदेशक संजय राजौरिया ने बताया कि निदेशालय के निर्देशानुसार विगत 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान के साथ आयोजित पंच दिवसीय गतिविधि 5 सितम्बर से 9 सितम्बर के समापन के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के द्वारा कौशल प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरूस्कृत करते हुये प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी संतोष दुबे द्वारा सर्वप्रथम कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत करते हुये आयोजित प्रतियोगिता व प्रतिभागियो की जानकारी दी, तत्पश्चात् विजेता प्रतिभागियो को बुलाकर निदेशक संजय राजौरिया के मार्गदर्शन में प्रमाण पत्र प्रदान किये। निदेशक ने छात्रों को सम्बोधित करते हुये पहले सभी विजेता छात्रों को बधाई दी व उत्साहबर्धन करते हुये अपने अपने क्षेत्र में पूरी निष्ठा के साथ मेहनत करने के लिए कहा जिससे आप अपने टेजड में पारंगत होकर रोजगार प्राप्त कर सके। उन्होने कहा कि कुशल व्यक्ति को रोजगार के कई अवसर प्राप्त होते है उन्होने छात्रो से कहा अगर वह आगे शिक्षा प्राप्त करना चाहे तो इन्हू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर शिक्षा प्राप्त कर सकते है कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार द्वारा सभी उपस्थित लोगो आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री संजय राजौरिया, संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी संतोष दुबे व मनोज कुमार सहायक कार्यक्रम अधिकारी दिनेश शर्मा, अंजली शर्मा, लेखपाल अमित शर्मा, लिपिक अजय सिहं कुशवाह, कम्प्यूटर ऑपरेटर जितेन्द्र शर्मा, जय प्रकाश, रामवीर, प्रशिक्षिका मधु, एवं सविता श्रीवास, आदि उपस्थित हुये।

2000 करोड़ के पोषण आहार घोटाले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दे इस्तीफा - मान सिंह कुशवाहा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पोषण आहार परिवहन करने वाले ट्रकों के नम्बर निकले मोटर साइकिल के नम्बर

जिन प्लांटो में माल ही नही था वहां से सप्लाई हो गया करोड़ो का माल

भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा तथा धरना प्रदर्शन में अपने विचार रखते हुए कहा मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का मुख्य काम भ्रष्टाचार करना रह गया है।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य की पहचान घोटाला प्रदेश के रूम में बना रहे हैं। व्यापम घोटाला, डंपर घोटाला, ई टेंडर घोटाला, के बाद अब प्रदेश में पोषण आहार परिवहन घोटाला, सामने आया है, दरअसल मध्य प्रदेश के महालेखाकार ने 36 पन्नों की मीडिया में प्रकाशित एक गोपनीय रिपोर्ट में महिला बाल विकास में हुआ यह घोटाला उजागर किया है। रिपोर्ट के मुताबिक विभाग ने 2021 तक 4.05मैट्रिक टन टेक होम राशन का वितरण किया और 1.35 करोड़ लाभथियो पर 2393.21करोड़ रुपये खर्च किये। रिपोर्ट में स्पष्ट बताया गया कि जिन ट्रकों से राशन ट्रांसपोर्ट करने का दावा किया गया है वे ट्रक थे ही नहीं और उनके नंबर मोटरसाइकिल, कार, ऑटो रिक्शा, और दूसरे छोटे वाहनों के निकले इनमे से कोई नंबर ट्रक का पाया नहीं गया। इसी तरह बाड़ी, धार, मंडला, रीवा, सागर, शिवपुरी, के छः प्लांटो में बड़े पैमाने पर राशन की सप्लाई दर्शाई गई। जबकि जांच में पता चला की इन प्लांट में राशन का स्टॉक नही था। कांग्रेस पार्टी ने इस विषय पर प्रेस वार्ता आयोजित कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूछा है,कि क्या मुख्यमंत्री ओर घोटालो का चोली दामन का साथ है क्योंकि हर बार मुख्यमंत्री के विभाग में ही घोटाला होता है,इस घोटाले की जिमेदारी लेते हुये। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस्तीफा दें। महालेखाकार ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट बताया हैं मध्य प्रदेश सरकार को एक स्वतन्त्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। निष्पक्ष के लिए मुख्यमंत्री का इस्तीफा जरूरी हैं पद पर रहकर निष्पक्ष जांच असंभव हैं,इसलिए मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

भिंड में भी हुआ रेडी टू ईट घोटाला ,नही हो पाई स्पष्ट जाँच

पोषण आहार टेक होम घोटाला वैसे तो पूरे मध्यप्रदेश का प्रदेश स्तरीय घोटाला हैं,भिण्ड जिला भी इस घोटाले से नही बच पाया हैं,बच्चों के लिए आये निवाले को भी नही छोड़ा प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान ने,जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने बताया कोरोना काल मे जिले में रेडी टू ईट पोषण तैयार कर बच्चो को बाटा जाना था। लेकिन समूह संचालक और अधिकारियों की मिलीभगत से रेडी टू ईट का फर्जी वितरण दिखा कर फर्जीवाड़ा कर भुगतान किया जांच का आश्वाशन देकर मामले को शांत कर दिया और जांच अभी तक पूर्ण नही हो पाई।एवं श्री कुशवाहा ने कहा आखिर मोटरसाइकिल, रिक्शा , आटो,पर इतने टन पोषण आहार कैसे बन गया। प्रदेश के मुखिया द्वारा किया गया घोटाला पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने गरीब मासूम बच्चों का हक खाया हैं, खुद को उनका मामा कहने वाले,ही निकले उनके हक के भक्षक । तथा ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कांग्रेस के प्रभारी वासुदेव शर्मा, गोहद विधायक मेवाराम जाटव ,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामनारायण हिंडोलिया, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष गुर्जर ,प्रदीप यादव ,संग्राम तोमर,भानु प्रताप तोमर ,देवी सिंह तोमर ,गणेशराम शर्मा, राजेंद्र परिहार, डॉ रणवीर यादव, राजीव कौशिक, द्वारका प्रसाद खन्ना, कुलदीप गुर्जर, अवध किशोर, बंटी गुर्जर, केशव देसाई, कैलाश महोर,केदार कौशल पार्षद शैलेंद्र गुर्जर, वरिष्ठ नेता जगदीश महोर इत्यादि लोग शामिल हुए।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत के सिलसिले में आयोजित हुए कार्यक्रम

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के द्वारा प्रधानमंत्री टी.बी मुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ किया गया। सन् 2025 तक भारत को टी.बी मुक्त करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखा गया है। इसके अंतर्गत तीन मुख्य घटक जैसे सामुदायिक सहभागिता (निक्षय मित्र) निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत मरीज के खाते में सीधे राशि पहुचाना तथा टीबी से पीड़ित मरीज के घर के सदस्यों को टीबी प्रिवेंशन ट्रीटमेन्ट के लिये विशेष ध्यान दिया जाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोहरी में जिला क्षय अधिकारी डॉ.आशीष व्यास, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेन्द्र धाकड तथा समस्त सी.एच.ओ हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के साथ ग्वालियर पधारे। प्रभारी क्षेत्रीय संचालक डॉ. पवन कुमार शर्मा तथा उपसंचालक डॉ. शिवशंकर भूषण एवं आर.एम.सी. एच प्लस ए.के.कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र जादौन की उपस्थिति में निक्षय मित्र 卐विकास संवाद 卐 एन.जी.ओ संस्था के प्रभारी अजय यादव के द्वारा टीबी से पीड़ित एवं डॉट्स पर उपचारत् पांच अति गरीब आदिवासी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान की गई। जिसमें आटा, दाल, चने, तेल, इत्यादि सामग्री सम्मिलित थी। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी एस.टी. एस मनोज कुशवाह के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

महाविद्यालय में शिक्षक पालक मिलन एवं प्राचार्य संबोधन कार्यक्रम उत्साह पूर्वक हुआ संपन्न...

केशब पंडित जी अम्बाह...

***अम्बाह...** महाविद्यालय की गौरवमई परंपरा के अनुसार दिनांक 9 सितंबर 2022 को शिक्षक पालक मिलन एवं प्राचार्य संबोधन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम श्रीमान प्राचार्य महोदय द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात पालक महानुभावों का रोली अक्षत द्वारा तिलक कर उनका स्वागत किया गया। अनुशासन समिति के चीफ प्रॉक्टर डॉक्टर मनोज कुमार शर्मा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं समिति के कार्यों से अवगत कराया । इस कार्यक्रम में सभी प्राध्यापक महानुभावों ने अपना परिचय एवं अपने प्रभार की जानकारी विद्यार्थियों एवं पालकों को दी । अनुशासन समिति के चीफ प्रॉक्टर डॉ मनोज कुमार शर्मा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं

अनुशासन समिति के कार्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। प्राध्यापक परिचय के उपरांत पर परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर विश्वास मेडेकर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं परीक्षा प्रणाली की जानकारी विद्यार्थियों एवं पालकों के समक्ष प्रस्तुत की तत्पश्चात महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर शिवराज सिंह तोमर ने वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों की शिक्षण शिक्षा पद्धति पर पर विस्तृत चर्चा अभिभावकों से की तथा यह बताया कि आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के प्रयोग के साथ साथ शिक्षा ग्रहण करना कितना महत्वपूर्ण कार्य है । उन्होंने यह भी कहा कि पालक महानुभाव अपने बेटा - बेटियों का पढ़ाई के संबंध में पूर्ण ध्यान रखें अनुशासन में रह कर विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करें और अपने जीवन को सफल बनाएं कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजकुमार सिंह तोमर ने किया तथा डॉ. कौशलेंद्र उपाध्याय द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर वह इस बड़ी संख्या में छात्र छात्रा अभिभावक एवं महाविद्यालय के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

खरगापुर की पूर्व विधायक चंदा सुरेंद्र सिंह गौर के नेतृत्व में तीसरे दिन निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़। खरगापुर की पूर्व विधायक चंदा सुरेंद्र सिंह गौर के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है जिसका आज तीसरा दिन था यह यात्रा निरंतर निकाली जा रही है जिसका रात्रि विश्राम मंदिरों पर किया जाता है आज रात बन्ने बुजुर्ग के मंदिर पर किया गया था जो बनने चौराहे से फिर चालू होकर बन्ने ग्राम, दांतगोरा, भददरा, रामनगर ,पुरेनिया होकर पुरैनिया पहुंचेगी एवं रात्रि विश्राम रहेगा किसी रैली के दौरान कई जगह लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ली और कई लोगों ने पूर्व विधायक चंदा सुरेंद्र सिंह गौर का स्वागत किया वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सिंह गौर ने कहा कि हम 5 वर्ष पहले विधायक थे तो पूरी विधानसभा में भ्रष्टाचार का नाम नहीं रहता था ना ही कोई व्यक्ति परेशान रहता था आज वर्तमान की स्थिति में बहुत सारी संस्थाएं ठेके पर चल रही हैं और लोग बाग परेशान हैं लोगों को रोजगार नहीं है आज हर चीज महंगी हो चुकी है उसी को लेकर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक पैदल यात्रा निकाल रहे हैं इसकी आवश्यकता पूरे देश को एकत्रित करने की है जो लोग एक दूसरे में विरोधाभास पैदा कर रहे हैं और नफरत फैला रहे हैं इसीलिए हम गांव गांव जाकर जो लोगों के प्रति बटवारा हो गया है उसको दूर करने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारा भारत फिर से खुशहाल रहे जो अराजकता फैली हुई है उस अराजकता को खत्म किया जाए इसी मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे जिसमें मुख्य रुप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजू राय , बल्देवगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ,आर जी पी आर एस के जिला अध्यक्ष स्वतंत्र यादव , विश्वजीत सिंह चौहान राज नापित , करन सिंह कुशवाहा , मेहताप सिंह लाममरदार ,रामचरण राय ,अरविंद यादव ,बबलू पाल , हरपाल सिंह , राजाभैया ,जय सिंह , छोटू राजा ,अंसुल , आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे !

मुख्यमंत्री ने डॉ. सुनील परीट को किया सम्मानित

पुष्पांजली टुडे

बेलगांव –कर्नाटक सरकार का राज्य स्तरीय आदर्श शिक्षक पुरस्कार मुख्यमंत्री बसवराज बोम्माई , शिक्षा मंत्री श्री बी.सी. नागेश और अन्य मंत्री एवं

विधायक, और अधिकारियों ने बेंगलुरु में विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में डॉ. सुनील परीट को सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र, पुस्तकें और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। डॉ सुनील परीट 18 वर्षों से बेलगांव जिले के शासकीय हाई स्कूल लक्कुंडी तहसील बैलाहोंगल में हिंदी अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। राज्य सरकार ने उन्हें यह पुरस्कार उनके निरंतर शैक्षणिक, सामाजिक, साहित्यिक और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए दिया है। इस संदर्भ में डॉ. सुनील परीट ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस सफलता में परिवार के सभी सदस्यों का, गुरुजनों का, अधिकारियों का और गांव के सभी छात्र एवं नागरिकों का सहयोग प्राप्त हुआ है।

43 किलोमीटर लागत 1सौ 12करोड़ की नवीन सड़क का भूमि पूजन कार्यक्रम

पुष्पांजली टुडे

विधानसभा भितरवार में 11/09/2022को देवरीकांछा से मोहना तक चीनोर से करहिया वाया भितरवार सबसे बड़ी समस्या 43द्वद्व लागत 1सौ 12करोड़ की नवीन सड़क का भूमि पूजन कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के आगमन को लेकर देवरीकांछा श्री लखेश्वरी माता मंदिर परिसर पहुंच कर *वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनसेवक श्री मोहन सिंह राठौर जी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर ग्रामों में जाकर ग्रामीणजनो एवं जनसेवक साथियों से मुलाकात कर चौपाल चर्चा की एवं ज्यादा से ज्यादा सख्या मे पहुंचने का आग्रह किया!

इस दौरान साथ जिला उपाध्यक्ष श्री अभिताभ जी हरसी जी, श्री लक्ष्मीनारायण जाटव जी (जनपद अध्यक्ष भितरवार), श्री भिकम सिंह जाट जी (भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण जिला मंत्री),श्री रजताब सिंह हरसी जी,श्री उदयभान सिंह रावत जी,लक्मण सिंह बघेल जी (सरपंच देवरी),श्री सुघर सिंह रावत जी (पुर्व सरपंच चिटोली),श्री नबाब सिंह रावत जी,श्री नरेन्द्र सिंह रावत जी, श्री कल्लू रावत जी,श्री कल्लू श्री नरेंद्र सिंह चौहान जी, राजेश चौहान जी, श्री अमर सिंह रावत जी, श्री मनोज बघेल जी, श्री अमरपाल सिंह रावत जी, श्री धर्मेंद्र प्रजापति जी एवं कार्यकर्ता बंधु एवं जनसेवक साथी उपस्थित रहे

अम्बाह कोचिंग सेन्टरो पर शक्ति से कडाई आबारा गुण्डे मवालियो की खैर नही... टीआई जितेन्द्र नगाइच

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... अम्बाह नवागत टीआई ने शिकंन्जा कसते हुये कोचिग सेन्टरो पर एक महीने गुण्डे मबालियो को जम कर खदेढा है शुरू में समझाइस देने के बाद अब पुलिस प्रसासन का शक्ति से पालन शुरू है बिना आईडी कार्ड व हाथो में चूरा (कड़ा) पहने हुऐ जो भी छात्र पाया जाता है तो पहले तो कढे (चूरा) उतार कर माता पिता को बुला कर समझाइस दी जाती है जो पढने बाले बच्चे है उन्है और बॉकी आबारा टाइप लडको पर कारबाही भी की गई है और पढने बाले बच्चो को समझाया गया है अगर आपने आबारागर्दी की तो थाने में नौकरी सम्बधित कागज जैसे चरित्र प्रमाण पत्र पुलिस बैरीफिकेसन कागज जो नौकरी में लगते है वह कभी नही बन पायेगे और आप सरकारी नौकरी से हमेशा हमेशा के लिये बंचित रहजाओगे दूसरा आबारा बदमाश गुण्डा मबाली कौचिग सेन्टरो के पास अन्य लडको के साथ घूमता या ऊदम करता पाया गया तो खैर नही और पुलिस से बत्तमीजी की तो मामा का बुल्डोजर चलना निश्चित ही समझे और अम्बाह पुलिस की कारबाही का अंदाजा लगाया जा सकता है अभी थाने मे 235 चूरा (कढे) जिनका बजने 9किलो 700ग्राम है जो कि अम्बाह पुलिस की सराहनीय पहल है और सभी कोचिग संस्थानो के संचालको को कढी चेताबनी देते हुये कहा है आप भी कोचिग छात्रो को गले में आइडी कार्ड जारी कर दे व सीसी कैमरा प्रत्येक कोचिग पर होना चाहिये और दरबाजे पर पेमप्लेट पर पुलिस प्रसासन के नम्बर लिखे होना चाहिये साथ ही जहा तक हो तो बिना मास्क लगाये कोई बच्चा न आये

और नगाइच जी ने बताया सभी टीचर बच्चो को अच्छे संस्कार के साथ कोचिगो नाम से उच्चारण होना चाहिये ये नही होना चाहिये कि चन्दू सर , एनएसटी एलएन सर यह हमारे संस्कार नही है अपने संस्थान के नाम अच्छे रखे

शिवपुरी पुलिस द्वारा जान जोखिम मे डालकर करतव दिखाने बाली नाबालिक बालिका एवं उसके परिजनों की काउंसलिंग कराकर व समझाइस देकर रबाना किया ।

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-आज दिनांक को निर्भया मोबाइल शिवपुरी द्वारा भ्रमण के दौरान देखा की कोर्ट रोड़ शब्जी मंडी के पास एक नाबालिक बच्ची डंडों पर बंधी रस्सी पर सर्कस के करतब दिखा रही है । निर्भया मोबाइल की प्रभारी सूबेदार गायत्री इटोरिया द्वारा मामले की जानकारी बरिष्ट अधिकारियों को दी एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल से निर्देशन प्राप्त किया एवं बाल संरक्षण अधिकारी शिवपुरी को साथ लेकर बच्ची एवं उसके परिजनों को लेकर बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया, जहां बच्ची के नाबालिक होने से परिजनों को समझाइस दी गई, करतव दिखाते समय बच्ची को चोट भी लग सकती है जिससे बच्ची का पूरा भविष्य खतरे मे पड़ सकता है । समिति व पुलिस द्वारा बच्ची के परिजनों को नाबालिक को स्कूल भेजने के लिये बताया साथ ही यह भी समझाइस दी कि भविष्य मे इस प्रकार का काम न करें जिससे नाबालिक बच्ची का जीवन खतरे मे पड़े । इसी समझाइस के साथ बच्ची को परिजनों के साथ रबाना किया ।

चरित्र शंका में पति बना हैवान, पत्नी पर कुल्हाड़ी से किए ताबड़तोड़ प्रहार

बीना। शहर के भानगढ़ थाना क्षेत्र में स्थित बम्होरी गांव में एक व्यक्ति अपनी पत्नी पर चरित्र संदेह को लेकर हैवानियत पर उतर आया। उसने अपनी पत्नी को गुरुवार रात अपनी पत्नी को अपंग बनाने के उद्देश्य से उसके दोनों पैर काटने का प्रयास किया। आरोपित ने पत्नी के पैरों पर कुल्हाड़ी से एक के बाद कई वार किए। घटना गुरुवार रात तकरीबन दस बजे की है। सूचना पर मौके पर पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपित फरार हो गया। महिला को तुरंत गंभीर हालत में बीना सिविल अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया, जहां उसकी गंभीर अवस्था को देखते हुए उसे सागर रेफर किया गया है। पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी है। भानगढ़ थाना प्रभारी लखन डाबर ने बताया कि बम्होरी दुर्जन गांव में पत्नी के पैर काटने का प्रयास करने वाले आरोपित पति को पत्नी के चरित्र पर संदेह था। इस बात को लेकर पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हो चुका है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार की रात भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हो गई। इसके चलते आरोपित पति ने गुस्से में आकर महिला के दोनों पैरों पर कुल्हाड़ी से एक के बाद एक कई वार किए। महिला के चिल्लाने पर आसपास के लोग जमा हो गए। घर के बाहर भीड़भाड़ देखकर आरोपित पति मौके से भाग गया। आरोपित की तलाश की जा रही है।

पास में बैठी बिलखती रही मासूम बच्ची

ग्रामीणों के मुताबिक आरोपित पति जिस समय महिला के पैर काटने का प्रयास कर रहा था, उस वक्त महिला के साथ उसकी करीब पांच साल की बेटी बैठी हुई थी। पति निर्दयता से पत्नी के पैरों पर कुल्हाड़ी से वार करता रहा और मासूम बच्ची रोती रही। इस घटना से मासूम बच्ची बुरी तरह से डरी हुई है।

शहर के पांच रूट पर दौड़ेंगी 40 सीएनजी बसें, 20 हजार यात्रियों को फायदा

भोपाल। राजधानी के रहवासियों को शुक्रवार से नई सौगात मिलने वाली है। बीसीएलएल की लो फ्लोर बसों में यात्रियों के भीड़ को कम करने के लिए 40 नई सीएनजी बसों का संचालन किया जा रहा है। इससे प्रतिदिन शहर के बीस हजार यात्रियों का आवागमन आसान होगा। बड़ी बात यह है कि इन बसों से पर्यावरण प्रदूषण नहीं होगा। वहीं इनमें सीसीटीवी कैमरे और लाइव ट्रैकिंक हेतु जीपीएस सिस्टम के साथ ईटीवीएम मशीन के माध्यम से स्मार्ट टिकटिंग की सुविधा होगी। बतादें कि अमृत योजना के तहत शहर के रहवासियों की सुविधा और पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर 300 सीएनजी बसों का संचालन किया जाना है। इन बसों की खरीदी व संचालन के लिए पीपीपी यानि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने हैदराबाद की इन्क्यूबेट साफ्टेक कंपनी के साथ करार किया गया है। इनमें सात सीएनजी बसों की आपूर्ति संबंधित कंपनी पहले कर चुकी है, जबकि 40 बसों की आपूर्ति वर्तमान में की गई है। बची हुई 253 बसों की आपूर्ति कंपनी द्वारा दिसंबर 2022 तक कर दिया जाएगा। इन 40 सीएनजी बसों का शुभारंभ शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे आईएसबीटी स्थित निगम मुख्यालय से किया जाएगा। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय और विधायक कृष्णा गौर रामेश्वर शर्मा समेत अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। बतादें कि अभी शहर के 18 मार्गों पर 275 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों में मोबाइल एप के माध्यम से बसों के आवागमन से संबंधित जानकारी और लाइव लोकेशन पता की जा सकेगी। इसके साथ ही एप के माध्यम से टिकट लेने, मोबाइल पास और मासिक स्मार्ट पास बनवाने में कैशलेस की सुविधा यात्रियों को मिलेगी।

इंदौर में आज सांस्कृतिक रतजगा, निकलेगा झिलमिलाती झांकियों का कारवां

खंडवा। अनंत चतुर्दशी पर शुक्रवार रात 29 झिलमिलाती झांकियां कतारबद्ध होकर निकलेंगी। इस बार छह मिलों की 15 झांकियों के साथ खजराना गणेश मंदिर, आइडीए और नगर निगम की तीन-तीन झांकियां होंगी। स्पूतनिक ट्यूटोरियल एकेडमी की तीन, जय हरसिद्धि मां सेवा समिति और शास्त्री कार्नर नवयुवक मंडल की एक-एक झांकी भी शामिल रहेगी। इसमें विभिन्न अखाड़े तलवार, बनेठी और पटा घुमाकर कला का प्रदर्शन करेंगे। झांकियों में समन्वय के लिए मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं। धार्मिक विषयों के साथ, स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव और शहर के विकास के माडल को झांकियों में शामिल किया गया है। झांकियों में शिव के डमरू पर थिरकते बाल गणेश और आदर्श यातायात व्यवस्था में सिटी बस व मेट्रो ट्रेन दौड़ती दिखेगी। शहर में झांकियां निकालने की परंपरा 1924 में मिलों से शुरू हुई। सर सेठ हुकमचंद की हुकमचंद मिल ने सबसे पहली झांकी निकाली थी।

खाद वितरण में अनियमितता को लेकर सीएम शिवराज ने जताई नाराजगी, दोषियों के विरुद्ध तत्काल एफआइआर के निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज फिर सुबह से एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने प्रातः 7 बजे निवास से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जबलपुर संभाग के जिलों को आवंटित यूरिया के संबंध में आपात बैठक ली। जबलपुर संभाग में यूरिया वितरण में पिछले कुछ दिनों से शिकायते मिल रही हैं। इस बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त शैलेंद्र सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि अजीत केसरी शामिल हुए तथा जबलपुर के संभाग आयुक्त सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी तथा मार्कफेड के अधिकारी वर्चुअली सम्मिलित हुए। इस बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज ने खाद वितरण में अनियमितता को लेकर नाराजगी व्यक्त की और किसानों को खाद से वंचित रखने वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआइआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। बैठक के दौरान जबलपुर संभाग आयुक्त ने मुख्यमंत्री को बताया कि यूरिया खाद के आवंटन की जिम्मेदारी कृषकों की थी। 25 अगस्त को जबलपुर में 2600 मीट्रिक टन के रैक लगे थे। कृषकों को बता दिया गया था कि किस जिले को कितना आवंटन जाना है। जबलपुर आयुक्त ने संभाग के जिलेवार आवंटन की जानकारी दी कृषकों निजी परिवहनकर्ताओं द्वारा विभिन्न जिलों में यूरिया की आपूर्ति करता है। परिवहनकर्ता द्वारा 28 से 31 अगस्त के बीच परिवहन किया गया लेकिन इन्हें जो स्थान बताए गए थे, उनके स्थान पर यूरिया निजी स्थानों पर सप्लाई किया गया। कृषकों में परिवहन कर्ताओं द्वारा निर्धारित स्थानों पर आपूर्ति कम की गई और कुछ स्थानों पर बिलकुल नहीं करने की सूचना है।

इस पर मुख्यमंत्री चौहान ने दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआइआर कर उन्हें गिरफ्तार करने और कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने बताया कि खाद्य डाइवर्ट करने पर फर्टिलाइजर मूवमेंट कंट्रोल ऑर्डर का उल्लंघन हुआ है। 3ए, 3बी, 3सी एक्ट की धाराओं के तहत आज ही एफआइआर की जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमारे किसानों को खाद से वंचित करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा, जिस समय खाद की आवश्यकता है उस समय ऐसा होना एक गंभीर अपराध है। जिस समय खाद की सबसे अधिक जरूरत है उस समय खाद के लिए अफरा-तफरी मची है, यह अपराध है। दोषियों के विरुद्ध ऐसी सख्त कार्रवाई की जाए जो उदाहरण बने। मुख्यमंत्री चौहान ने जबलपुर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कि खाद वितरण में लगी कंपनियों को समझाने से काम नहीं चलेगा। दोषियों के विरुद्ध एक्शन लेकर बताएं। मुख्यमंत्री शिवराज ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार से समन्वय कर राज्य के लिए खाद का पर्याप्त आवंटन सुनिश्चित किया गया है। किसान तक खाद की आपूर्ति पर कड़ी नजर रखी जाए। जरूरत के समय किसान को खाद की कमी नहीं होना चाहिए।

सीएम शिवराज ने विदिशा के बाढ़ वाले गणेश मंदिर पहुंचकर की पूजा-अर्चना

भोपाल। इन दिनों सब जगह गणेशोत्सव की धूम है। गणेश मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा है। हवन-पूजन के कार्यक्रम चल रहे हैं। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान की भी भगवान गणेश पर अगाध श्रद्धा है। इस पावन मौके पर वह गुरुवार को विदिशा भोपाल मार्ग पर बेतवा नदी के किनारे रंगई गांव में स्थित बाढ़ वाले गणेश मंदिर में पहुंचे और विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस दौरान उनकी पत्नी साधना सिंह भी साथ थीं। मुख्यमंत्री शिवराज मंदिर में हो रहे यज्ञ में शामिल हुए और मंडली के साथ भजन भी गाए। इसके उपरांत उन्होंने मंदिर परिसर में भंडारे में कन्याओं को भोजन कराया और खुद भी भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने यहां उपस्थित नागरिकों से संवाद कर उनका हाल-चाल जाना।

मुख्यमंत्री की है अगाध आस्था

बता दें कि इस मंदिर से मुख्यमंत्री चौहान और उनके परिवार की अगाध आस्था जुड़ी है। वह पिछले 13 वर्षों से गणेशोत्सव के दौरान इस मंदिर पर होने वाले हवन-पूजन और भंडारे में शामिल होते हैं। इसके अलावा वे जब भी विदिशा आते है, इस मंदिर पर जाकर बाढ़ वाले गणेश के दर्शन जरूर करते हैं।

मुख्यमंत्री ने सपरिवार गणेशजी की झांकी के किए दर्शन

बुधवार रात करीब दस बजे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सपरिवार भगवान गणेश जी की झांकी देखने राजधानी में कोलार बीमाकुंज में लाल बाग के राजा गणेशजी की झांकी देखने पहुंचे। उन्होंने लाल बाग के राजा के दर्शन कर आरती की। देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इससे पहले विधायक रामेश्वर शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर विधायक रामेश्वर शर्मा, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा मुख्यमंत्री 10 नंबर व न्यू मार्केट में भी गणेशजी की झांकियों को भी देखने पहुंचे।

इंदौर के खजराना गणेश मंदिर परिसर में सत्संग हाल व भोजनशाला के निर्माण पर खर्च होंगे 5 करोड़

इंदौर। खजराना गणेश मंदिर परिसर में सूठीबाई दौलतराम छाबड़रिया पारमार्थिक ट्रस्ट के सहयोग से लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे अतिथि निवास की दो मंजिलें तैयार हो चुकी हैं। यह भवन छह मंजिला बनेगा। इसके साथ ही अब मंदिर परिसर में दो मंजिला सत्संग हाल एवं भोजन शाला के लिए भी भूमि पूजन संपन्न हुआ। इन तीनों निर्माण कार्यों पर करीब 13 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। तीनों भवन इस वर्ष के अंत तक बनकर तैयार होने की उम्मीद है।

ट्रस्ट के प्रमुख बालकृष्ण छाबड़रिया ने बताया कि मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर मनीषसिंह ने सत्संग हाल एवं भोजनशाला के लिए भी अतिथि निवास के अलावा अतिरिक्त भूमि प्रदान की है। दो स्थानों पर इन भूमियों पर आज दो मंजिला सत्संग हाल के लिए भूमि पूजन किया गया, जिस पर करीब 4 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसी तरह वर्तमान अन्न क्षेत्र, भोजन शाला के समीप ही करीब एक हजार भक्तों की बैठक क्षमता की

भोजन शाला बनाने के लिए भी अचल चौधरी, कुलभूषण मित्तल, अनिल भंडारी, प्रो. रमेश मंगल, दिनेश जिंदल एवं अन्य बंधुओं की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन किया गया। इस भोजनशाला पर करीब एक करोड़ रुपये खर्च होंगे। इनमें से अतिथि निवास एवं सत्संग हाल का निर्माण छाबड़रिया के माता-पिता सूठीबाई दौलतराम छाबड़रिया की स्मृति में एवं भोजन शाला का निर्माण उनकी पत्नी कुसुमदेवी की पुण्य स्मृति में किया जा रहा है। जिस रफ्तार से अतिथि निवास का निर्माण कार्य चल रहा है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि इस वर्ष के अंत तक अतिथि निवास और अन्य दोनों निर्माण कार्य भी पूरे हो जाएंगे।

धूम धाम से हुआ विघ्नहर्ता गणपति बप्पा का विसर्जन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- गणेश महोत्सव के चलते हर्ष वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर दबोह में कई जगह विघ्नहर्ता गणपति बप्पा विराजमान रहे।गणपति महोत्सव के चलते नगर में विराजमान बप्पा की पूजा अर्चना काफी धूम से हुई और नगर के लोगो ने कोरोना के बाद इस उत्सव का भी भरपूर आनंद लिया।शुक्रवार को सुबह 11 बजे से ही अगले बरस तू जल्दी आ के गानों के साथ गणपति बप्पा विराजमान होकर विसर्जन के लिए उप मंडल की सीमा से सटे ग्राम सलैया पहुंचे।जहां पर विधिविधान से गणपति बप्पा की पूजा अर्चना कर जयकारों के साथ भक्तो में उन्हें नदी के पानी के बहाव में जाकर विसर्जित किया।आपको बता दें कि नगर दबोह में लगभग आधा दर्जन से अधिक गणपति बप्पा की प्रतिमाएं स्थापित की गई थी।जो शुक्रवार को विसर्जन की गई।इसी के साथ नगर कर लोगो ने घरों में भी गणपति बप्पा विराजमान किये थे जिन्हें भी विसर्जन किया गया।जिसके चलते नगर भ्रमण के दौरान नगर के लोगो ने गणपति बप्पा की झांकी के अंतिम दर्शन कर बप्पा को खुशी खुशी विदा किया।

विसर्जन को मद्देनजर रखते हुए पुलिस व्यवस्था रही बेहतरीन

गणपति विसर्जन के चलते नगर में पुलिस व्यवस्था भी चाकचौबंद रही। जिसके चलते मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश की सीमा से सटे ग्राम सलैया में बप्पा का विसर्जन किया गया।वहीं दबोह थाना की ओर से एएसआई महेंद्र उचाड़िया समेत दीवान जी लाखन बरैया,दिवान जी आकाश कैन व आरक्षक विकास पवैया बेहतरीन पुलिसिंग की जिसकी वजह से विसर्जन के दौरान कोई हादसा न हो पाया।पुलिसिंग व्यवस्था के लिए गणपति कमेटी के सभी सदस्यों ने थाना दबोह पुलिस का आभार व्यक्त किया।

बड़ी धूमधाम से हुआ गणेश विसर्जन

पुष्पांजली टुडे

दिनारा। दिनारा में गणपति जी का बड़ी धूमधाम से विसर्जन हुआ जगह जगह गणपति रखे हुए थे उनका विसर्जन बड़ी धूमधाम से या गया शीतला माता मंदिर से होकर मेन बाजार में निकालते हुए गुप्तेश्वर महादेव के तालाब पर विसर्जन हुआ ग्रामीण अंचल के भी सभी भक्तों ने विसर्जन किया इसके बाद भंडारा एवं कन्या भोज किया गया। बड़ी जोर शोर से गणपति जी की जयकारा लगाते लगातेसभी भक्तों ने आनंद लिया जगह जगह पूरी बस्ती में प्रसाद का वितरण किया गया

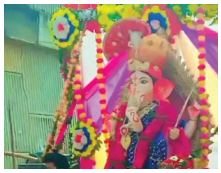

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का होगा 10 सितंबर 2022 - डिटी कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल

अनिल कुशवाह प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद जिला शिवपुरी द्वारा डिप्टी कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल के मार्गदर्शन मे दिनांक 10 सितंबर 2022 को गीता पब्लिक शिवपुरी मे जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन होगा , जिस संबंध मे आज दिनांक 09.09.2022 को गीता पब्लिक शिवपुरी मे कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न कमेटी के सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया, सम्पूर्ण जिले मे शासकीय एवं अशासकीय शालाओ से 250 छात्रों के दल का पंजीयन किया गया जिसमे 3 छात्र एवं शिक्षक शामिल रहेंगे । प्रतियोगिता मे से लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित 6 दल ऑडीयो, विजुअल परीक्षा के उपरांत 1 दल का चयन कर प्रदेश स्तर पर प्रतियोगिता मे शामिल करने हेतु भेजा जाएगा । प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु जिला स्तर से विभिन्न दलों का गठन निम्न अनुसार किया गया जिसमे कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु एस डी एम शिवपुरी गणेश जयसवाल, क्विज कोर कमेटी मे डिप्टी कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल एवं दल, विद्युत व्यवस्था हेतु पी आर पाराशर , क्विज प्रतियोगिता हेतु सभी दलों का पंजीयन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी संजय श्रीवास्तव , बैठक व्यवस्था हेतु महेंद्र जाटव प्राचार्य

पी जी कॉलेज शिवपुरी , सास्कृतिक कार्यक्रम निर्धारण थीम पर प्रस्तुतिकरण हेतु विमल श्रीवास्तव सहायक संचालक जिला शिक्षा अधिकारी , अंगद सिंह तोमर बी आर सी सी शिवपुरी , दोनों पालियो मे सम्पूर्ण क्विज प्रतियोगिता हेतु डयूटी आदेश हेतु राकेश कुलश्रेष्ठ प्राचार्य सी एम राइज उत्कृष्ट कोलारस उपहार हेतु सोरभ गौड़ सी एम ओ बदरवास, अतिथि आगमन हेतु रिजवाना खान पंजीयन हेतु रामेश्वर गुप्ता राजेन्द्र चहार , दिनकर नीखरा , बैठक व्यवस्था समिति बसंत श्रीवास्तव भोजन व्यवस्था हेतु महेंद्र सिंह तोमर जिला खेल अधिकारी, पुरस्कार वितरण समिति हेतु बी आर सी सी अंगद सिंह तोमर, बेनर पोस्टर एवं अन्य व्यवस्था , चिकित्सा समिति हेतु पवन जैन मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी शिवपुरी , प्रचार प्रसार समिति हेतु प्रियंका शर्मा जिला संपर्क अधिकारी , सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु अशासकीय शाला गीता पब्लिक स्कूल , हैप्पी डेज स्कूल एवं ईस्टर्न हाईस्ट स्कूल द्वारा विभिन्न थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं नाट्य मंचन किया जाएगा साथ ही कोटिल्य अकेडमी ग्वालियर से डॉ. तरुण शर्मा, प्रतियोगिता मे आए सभी छात्रों को केरियर काउंसलिंग से संबंधित सेमीनार पर चर्चा करेंगे । कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा जिसमे पंजीयन प्रातः 08-00 से 10-00 लिखित परीक्षा 10 से 12 तक , भोजन तथा मूल्यांकन कार्य 12 से 2-30 तक एवं इसी दौरान केरियर काउंसलिंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम 1 से 2-30 तक तथा क्विज प्रतियोगिता (मल्टी मीडिया) 2-30 से 4-30 तक तथा पधारे हुए मुख्य अथितियों द्वारा पुरकार वितरण 4-30 से 5 -30 तक । प्रथम स्थान पाने वाली टीम जिले का प्रतिनिधित्व प्रदेश स्तर पर करेगी

टीकमगढ़ जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में दुष्कर्म का मामला

घर ले जाकर हाथ पैर बांधकर किया गलत काम , आरोपी को 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़ जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र के मस्तापुर गांव में 7 सितंबर को हुए दुष्कर्म के मामले में थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मोहनगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि आरोपी संतराम लोधी ने अपने बड़े पापा प्रेमा लोधी के घर ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया है।

मोहनगढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि 7 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे आरोपी संतराम लोधी पीड़िता को किसी बहाने से अपने बड़े पापा प्रेमा लोधी के घर ले गया था। यहां उसने पीड़िता के हाथ पैर बांधकर जबरन दुष्कर्म किया । विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी थी। पीड़िता की शिकायत पर मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को बताया।

24 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया आरोपी

शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी संतराम के खिलाफ धारा 376, 354, 342, 323, 324, 506 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि घटना के 24 घंटे के अंदर ही आरोपी

को गिरफ्तार किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

एसपी प्रशांत खरे के निर्देशन पर जतारा एसडीओपी दिलीप पांडे ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया। इसके बाद घटना के 24 घंटे के अंदर ही आरोपी संतराम लोधी को गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई में उप निरीक्षक संदीप चौधरी प्रधान आरक्षक शैलेंद्र चौधरी , अनिल शर्मा विष्णु तिवारी , सत्येंद्र राजपूत की भूमिका सराहनीय रही।

हाथ ठेला व्यवसायी सम्मान के साथ कर सकेंगे अपना व्यापार : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

क्षेत्र के विकास के लिये हम सभी मिलकर कार्य करेंगे - महापौर डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सडक पर ठेला लगाकर व्यवसाय करने वाले व्यवसाई भी सम्मान के साथ अपना व्यापार कर सकें। इसके लिए जो ठेले खुले में लग रहे हैं, उनकी परेशानी को देखते हुए, इंटक मैदान में नवीन सब्जी मंडी प्रांगण में दो टीन शेड बनवाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास ही मेरी पहली प्राथमिकता रही है। श्री तोमर 50 लाख रूपए की लागत से इंटक मैदान में बनने जा रहे दो टीनशेड के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर डॉ. शेभा सतीश सिंह सिकरवार ने की।

इस अवसर पर पार्षद श्रीमती मीरा मानसिंह राजपूत, श्री गुड्डू रत्नाकर, श्री अशोक शर्मा, पूर्व पार्षद श्री केशव मांझी, श्री शीतल अग्रवाल सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि 50 लाख रूपये की लागत से टीन शेड का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा

कि ग्वालियर के विकास के लिये एक जुट होकर दलगत राजनिति से उठकर कार्य करना है। हम सभी मिलकर क्षेत्र का समग्र विकास करेगें। उन्होंने कहा कि बरसात के समय मंडी में जो दिक्कत आ रही है उसके निराकरण के लिये निगम के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये गए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मंडी में समस्याओं के निदान के लिये निगम के अधिकारी टीम बनाकर सर्वे करें और समस्याओं का त्वरित निराकरण करें। साथ ही विद्युत, पेयजल, स्वच्छता की सभी व्यवस्थायें पुख्ता रहें।

इस अवसर पर महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने कहा कि सडक पर ठेला लगाकर व्यवसाय करने से ट्रैफिक की बहुत बडी समस्स्या बनी हुई है। यह टीन शेड बन जाने से ट्रैफिक की समस्या से तो निजात मिलेगी ही, साथ ही लोग अपना व्यापार सम्मान के साथ टीनशेड में कर सकेगें। टीनशेड बनने पर बरसात, गर्मी व सर्दी में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। महापौर ने कहा कि क्षेत्र का विकास हो इसके लिये हम सभी मिलकर कार्य करेगें। उन्होंने कहा कि मंडी में ठेला लगाकर कर व्यवसाय करने वालों की छोटी-छोटी समस्याओं का निदान त्वरित गति से किया जाए।

लूटे गए मोबाइलों सहित दो बदमाश गिरफ्तार, मोबाइल भी बरामद

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा दिनांक 07.09.2022 को थाना थाटीपुर एवं मुरार क्षेत्र में लगातार हुई दो मोबाइल लूट की बारदात को गंभीरता से लेते हुएअति0 पुलिस अधीक्षक शहर-पूर्व/अपराध श्री राजेष डण्डोतिया को पुलिस बल की टीम बनाकर उक्त बदमाषों की गिरफ्तारी हेतु निर्देषित किया गया। दिनांक 08.09.2022 को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त मोबाइल लूट की बारदात को अंजाम देने वाले बदमाषों को थाना हजीरा क्षेत्रांतर्गत यादव धर्मकांटे के पास देखे गये है। उक्त सूचना पर से एसपी ग्वालियर द्वारा एएसपीशहर-पूर्व/अपराध को थाना ठाटीपुरएवं मुरारपुलिस बल की टीम को उक्त सूचना की तस्दीक कर मोबाइल लुटेरों की गिरफ्तारी हेतु निर्देषित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषों के परिपालन नगर पुलिस अधीक्षक मुरारश्री ऋषिकेष मीणा,भापुसेके कुषल मार्गदर्षन में थाना प्रभारी ठाटीपुर निरी0 पंकज त्यागीएंव थाना प्रभारी मुरार निरी0 शैलेन्द्र भार्गवके नेतृत्व में थाना पुलिस बल की संयुक्त टीम को मुखबिर के बताये स्थान यादव धर्मकांटाके पास भेजा गया। पुलिस टीम को उक्त स्थान पर मुखबिर के बताये हुलिया के दो संदिग्ध व्यक्ति मोटर सायकिल पर बैठकर बात करते हुए दिखाई दिये। पुलिस टीम को अपनी ओर आता देख उक्त संदिग्धों द्वारा मोटर सायकिल से भागने का प्रयास किया गया, परन्तु पुलिस टीम द्वारा उक्त दोनों संदिग्धों को घेराबंदी कर धरदबोच लिया गया। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये बदमाषों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा थाना ठाटीपुर के कुम्हरपुरा क्षेत्र में एक युवती के हाथ से मोबाइल छीनना स्वीकार किया, पुलिस टीम द्वारा और अधिक पूछताछ करने पर दोनों संदिग्धों ने बताया कि उनके द्वारा उसी दिन रामकला नगर मुरार में भी एक युवती का मोबाइल छीना गया था। आरोपियों की निषादेही पर पुलिस टीम द्वारा लूटे गये दोनों मोबाइल व घटना में प्रयुक्त होंडा साइन मोटर सायकिल को बरामद कर लिया गया। पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपियों को थाना थाटीपुर के अपराध में गिरफ्तार किया जाकर उनसे शहर में हुई अन्य लूट की बारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जिससे अन्य बारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

ज्ञात हो कि दिनांक 08.09.2022 को फरियादिया द्वारा थाना थाटीपुर आकर रिपोर्ट की गई कि दिनांक 07.09.2022 को घर जाते समय कुम्हरपुरा के पास दो अज्ञात मोटर सायकिल सवार बदमाष उसके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गये। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना थाटीपुर में अपराध क्रमांक 671/22 धारा 392 भादवि एवं 11/13 एमपीडीपीके एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया था। इस प्रकार उक्त दिनांक को ही थाना मुरार क्षेत्र स्थित रामकला नगर के पास दो अज्ञात मोटर सायकिल सवार बदमाष पैदल जा रही एक युवती के हाथ से उसका मोबाइल छीनकर भाग गये। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना मुरार में अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया था।

बरामद मषरूका:02 मोबाइल वीवो कंपनी एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकिल।

सराहनीय भूमिका:- उक्त आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी थाटीपुर निरी0 पंकज त्यागी, थाना प्रभारी मुरार निरी0 शैलेन्द्र भार्गव, थाना थाटीपुरटीम से उनि0 संजेष भदौरिया, सउनि रतनसिंह, आर0 रविन्द्रमाथुर, आर0 चालकदुर्गेष शर्मा थाना मुरारसेआर0 राजूमौंगिया की सराहनीय भूमिका रही।

ब्रह्मचर्य हमें सदाचरण और सामाजिक संस्कृति की सीख देता है-:मुनिश्री विनय सागर

मुनिश्री के सानिध्य निकाली भगवान वासपूज्य पालकी शोभायात्रा, निर्माण लड्डू समर्पित करने के लिए उमड़ पड़ा भक्तों का सैलाब।

ग्वालियर। उत्तम ब्रह्मचर्य हमें सदाचरण और सामाजिक संस्कृति की सीख देता है। स्वयं में निवास करना आत्मा की पहचान करना ब्रह्मचर्य है, सबसे कठिन तप है ब्रह्मचर्य, सबसे बड़ी साधना है ब्रह्मचर्य, ब्रह्मचर्य की साधना तन से बाद में होती है, मन से पहले करनी होती है। केवल विषयों को छोड़ना ही नहीं है, ब्रह्मचर्य में लीन भी होना है। ब्रह्मचर्य जो हमारी साधना का मूल है, सभी साधनाओं में ब्रह्मचर्य को सबसे प्रमुख स्थान दिया गया है। ब्रह्मचर्य धर्म का पालन करने से शक्ति का संचार होता है। पांच पापों को त्याग करने से महाव्रत हो जाएगा।। यह विचार पर्यूषण पर्व के दसवें दिन शुक्रवार को उत्तम ब्रह्मचर्य एवं जैन धर्म के 12 वें तीर्थंकर भगवान वासपूज्य के मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव पर श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय वर्षायोग समिति व सहयोगी संस्था पुलक मंच परिवार मुख्य संयोजक मनोज जैन कॉलेज ग्वालियर के तत्वावधान में माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा कि ब्रह्म का अर्थ आत्मा है और आत्मा के समीप रहना ही उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म है। संसार के भोगविलास में जितना मनुष्य फंसता है और अपना विषय वासनाओं की पूर्ति के लिए भाग-दौड़ मचाता है उतनी ही वह अपने आत्मा से दूर होता जाता है। आत्मा में अनंत शक्ति है। आत्मा के माध्यम से ही कल्याण हो सकता है। शरीर और इंद्रियों से यह संभव नहीं है।

मुनिश्री से विधायक डॉ सतीश सिकरवार ने लिया आशीर्वाद, समिति ने किया सम्मानित।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि पर्युषण पर्व पर मुनिश्री विनय सागर महाराज ससंघ से मुख्य अतिथि विधायक डॉ सतीश सिकरवार ने पहुँचकर श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद लिया। विधायक जी ने धर्मसभा का शुभारंभ दीप प्रज्वलित व मुनिश्री के पाद प्रक्षालन कर किया। वही विधायक जी का सम्मान चातुर्मास के मुख्य संयोजक मनोज जैन (चेयरमैन जैन कॉलेज), पवन जैन पत्रकार, स्वागतध्यक्ष राजेश जैन लाला, अध्यक्ष कमलेश जैन, जितेंद्र जैन, वीरेंद्र जैन ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने तिलक टुपट्ट व साफ पहनकर सामूहिक रूप से सम्मानित किया।

मुनिश्री के सानिध्य में शोभायात्रा में पालकी में भगवान वासपूज्य सवार होकर निकले

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्श कलम ने बताया जैन धर्म के 12 वें तीर्थंकर भगवान वासपूज्य के मोक्ष कल्याणक पर मुनिश्री विनय सागर महाराज के सानिध्य में माधवगंज स्थित चितेरा ओली दिगंबर जैन मंदिर से गाजेबाजे के साथ भगवान वासपूज्य की पालकी शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा जैन मंदिर से शुरू होकर मुख्य मार्गो से होती हुई चातुर्मास स्थल पहुँचेगी। शोभायात्रा में महिलाएं केशरियाँ साड़ियों में धार्मिक भजनों की धुन पर नृत्य एवं पुरुष केशरिया धोती दुपट्टा वस्त्रों में कंधे पर भगवान वासपूज्य की प्रतिमा विराजित कर पालकी को जयकारों के साथ लेकर चल रहे थे।

नेत्रदान जागरूकता पखबाड़े का रतन ज्योति नेत्रालय में समापन

नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों पर दी जानकारी दृष्टि दूत और नेत्रदान करने वालों के परिजन को किया सम्मानित

ग्वालियर। दिव्यांग सेवा के क्षेत्र में कार्यरत अखिल भारतीय दिव्यांग सेवी संगठन सक्षम एवं रतन ज्योति नेत्रालय द्वारा संचालित स्वामी विवेकान्द भारती आई बैंक द्वारा आयोजित किए गए नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े का समापन गुरुवार की शाम रतन ज्योति नेत्रालय स्थित नेत्र बैंक में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. बी. आर. श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सक्षम के क्षेत्रीय सचिव श्री के. बी. एल. श्रीवास्तव ने की।

इस अवसर पर डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि समाज में नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने से और लोगों को प्रेरित करने से हम अंधत्व पर निवारण नियंत्रण पा सकते हैं।रतन ज्योति नेत्रालय के निदेशक डॉ. पुरेन्द्र भसीन ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से नेत्रदान की प्रक्रिया और उससे जुड़ी भ्रांतियां तथा नेत्रदान के महत्व पर प्रेरक व्याख्यान दिया।कार्यक्रम में नेत्रदान करने वाले व्यक्तियों के परिजनों को तथा नेत्रदान के लिए प्रेरित करने वाले व्यक्तियों को दृष्टिदूत के रूप में सम्मानित किया गया। वही नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के तहत विद्या विहार स्कूल के विद्यालयीन बच्चे जिन्होंने चित्रकला तथा अन्य प्रतियोगिताओं में सहभाग लिया उनमे से विजेता बच्चों को भी पुरष्कृत किया गया। कार्यक्रम में सक्षम के जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ.सुनील बुचके ने बताया कि कॉर्निया ट्रांसप्लांट कर लोगों में नेत्र ज्योति लाने के कार्य में उनकी संस्था भीपूरा सहयोग करेगी। उन्होंने रतन ज्योति नेत्रालय की पूरी टीम के कार्य को भी सराहा। कार्यक्रम का संचालन संस्था के विशेष शिक्षक श्रीमती शर्मिला शर्मा ने किया तथा आभार डॉ मयंक श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंवदा भसीन(आई.एम.ए.अध्यक्ष), डॉ. मखीजा डॉ. मनमोहन कौर, डॉ प्रवीण धनपाल, सक्षम के वरिष्ठ पदाधिकारियों में मुख्य कार्यक्रम संयोजक श्री मनोज पांडे, उपाध्यक्ष श्री अशोक संत, श्री गोविंद सिंह पाल, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के प्रशासनिक अधिकारी गिरीश कुमार, सक्षम के कोषाध्यक्ष श्री पूरन चौबे, श्रीमती आशा चौबे , विद्या विहार स्कूल के संचालक श्री कौशलेन्द्र सिंह चौहान, तथा अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

धान फसल को रोगों व कीट व्याधियों से बचाने के लिए उपयोगी सलाह

कृषि विभाग ने किसान भाईयों की मदद के लिये मोबाइल फोन नम्बर जारी किए

ग्वालियर। खरीफ मौसम में धान जिले की एक प्रमुख फसल है । धान की फसल पर विभिन्न रोग व कीट आक्रमण की संभावना रहती है। धान की फसल को कीट व्याधियों से बचाने के लिए किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने जिले के किसानों को उपयोगी सलाह दी है।

धान की फसल में कीट व्याधि दिखाई देने पर किसान भाई विकासखण्ड स्तर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी व मैदानी कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क स्थापित कर कीट व्याधि के नियंत्रण के लिए सलाह ले सकते है। साथ ही श्री आर.एल.एस. कुशवाह विकासखंड मुरार (मो.न- 9826220433), श्री एस.के. पचौरी विकासखंड मुरार (मो. 9713370394), श्री सुघर सिंह कुशवाह विकासखंड घाटीगांव (मो.न.- 9926558853), श्री आर.बी.एस. भदौरिया विकासखंड घाटीगांव (मो. 9893939331), श्री ए.के. वर्मा विकासखंड डबरा (मो.न.- 9425777279) एवं श्री विनोद तिवारी विकासखंड भितरवार (मो.न. 9171332863) से धान सहित अन्य फसलों की बीमारियाँ व कीट व्याधि नियंत्रण के लिये किसान भाई संपर्क कर सकते हैं।

धान की प्रमुख बीमारियाँ, लक्षण व उनसे बचाव के उपाय

ब्लावस्टस रोग - इस रोग में पत्तियों पर आंख या नाव जैसे धब्बे? बनते है जो बाद में राख जैसे सिलेटी रंग के हो जाते है। साथ ही पुष्प और ग्रीवा भी काले रंग की हो जाती है। इस रोग से बचाव के लिए खडी फसल में ट्राईसाइक्लो जॉल एक ग्राम या कार्बन्डौजिम या मैनकोजैव 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करना चाहिए।

जीवाणु पत्ती अंगमारी रोग - इस रोग में पत्तियां लिपटकर नीचे की ओर झुक जाती है और उनका रंग पीला या भूरा हो जाता है। इस रोग के नियंत्रण के लिये 100 ग्राम स्ट्रे प्टोहसाइक्लिनन और 500 ग्राम कॉपर आक्सीत क्लोकराइड का 500 लीटर पानी में घोल बनाकर फसल पर छिडकाव करना चाहिए।

भूरी चित्तीक रोग - इस रोग में पत्तियों पर गोल अण्डाकार, आयताकार तथा भूरे व काले रंग के धब्बे बन जाते हैं। यह धब्बे आपस में मिलकर बड़े हो जाते है और पत्तियों को सुखा देते है। इसके नियंत्रण के लिये संतुलित उर्वरकों का उपयोग करने के साथ ही कार्बन्डातजिम या मैनकोजैव 3 ग्राम प्रति लीटर की दर से पानी में मिलाकर छिडकाव करना चाहिए ।

खेरा रोग - यह रोग जिंक की कमी के कारण होता है। इस रोग में निचली पत्तियां पीला पडना शुरू हो जाती हैं और बाद में पत्तियों पर कत्थे रंग के धब्बे उभरने लगते है। इस रोग के नियंत्रण के लिये 5 किलोग्राम जिंग सल्फेट तथा 2.5 किलोग्राम बुझा हुआ चूने का मिश्रण करके 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेपयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया आज से ग्वालियर जिले के तीन दिवसीय प्रवास पर, विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

ग्वालियर। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री 10 सितम्बर को ग्वालियर के तीन दिवसीय प्रवास पर आयेंगे। श्री सिंधिया इस दिन अपरान्ह 3.10 बजे विमान द्वारा यहाँ राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पहुँचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया 10 सितम्बर को अपरान्ह 3.30 बजे श्याम वाटिका बिरलानगर में अनुसूचित जाति समाज के प्रतिनिधियों की बैठक में भाग लेंगे। इसके बाद सायंकाल 5.30 बजे टाउन हॉल बाड़ा पहुँचकर बघेल समाज के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके बाद श्री सिंधिया कोरोना के खिलाफ लड़ाई में योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के लिये सायंकाल 6.45 बजे बृंदावन वाटिका गोला का मंदिर में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया 11 सितम्बर को प्रात÷ 9 बजे ग्वालियर से भितरवार क्षेत्र के भ्रमण के लिये रवाना होंगे। श्री सिंधिया प्रात÷ 11.30 बजे चिटौली ग्राम पंचायत के अंतर्गत लखेश्वरी माता प्रांगण में माता के दर्शन करने पहुँचेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे चिटौली, रानीघाटी मार्ग (11.4 किलोमीटर लम्बे) और भितरवार करहिया रोड़ (10.76 किलोमीटर लम्बे) के निर्माण की अधारशिला रखेंगे। इन दोनों सड़कों का निर्माण एमपीआरडीसी द्वारा किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया दोपरह 1.15 बजे भितरवार पहुँचकर जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। भितरवार में अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद श्री सिंधिया अपरान्ह 4.45 बजे वापस ग्वालियर लौटेंगे और गोरखी मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके बाद सायंकाल 6.15 बजे शीतला सहाय ऑडिटोरियम कैंसर पहाडी पहुँचकर इंडिया न्यूज द्वारा आयोजित ÷मंच ग्वालियर÷ कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसी क्रम में सायंकाल 7.30 बजे चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सभागार में आयोजित रोटरी क्लब के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया 12 सितम्बर को प्रात÷ 9.30 बजे नई सड़क स्थित चंपाबाग पहुँचकर जैन समाज के क्षमावाणी पर्व में शामिल होंगे। इसके पश्चात प्रात÷ 10.30 बजे शिवपुरी लिंक रोड़ स्थित केदारपुर पहुँचकर पट्टा वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। श्री सिंधिया अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद दोपहर 12.30 बजे एम्पायर रिसोर्ट झांसी रोड़ पहुँचकर पार्टी के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों की बैठक में सम्मिलित होंगे। श्री सिंधिया अपरान्ह 3 बजे विमानतल पहुँचकर वायुयान द्वारा नईदिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

ग्वालियर, भिण्ड व दतिया जिले के 975 बुजुर्ग जायेंगे तीर्थ करने

ग्वालियर। प्रदेश सरकार द्वारा बुजुर्गों को तीर्थ कराने के लिये मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत एक विशेष रेलगाड़ी 17 सितम्बर को ग्वालियर, भिण्ड व दतिया जिले के 975 बुजुर्गों को अयोध्या-वाराणसी (काशी) तीर्थ कराने जायेगी। इस तीर्थ यात्रा के लिये जा रही विशेष रेलगाड़ी में ग्वालियर जिले के 350 बुजुर्गों के लिए बर्थ निर्धारित है। इसी तरह भिण्ड जिले के बुजुर्गों के लिये 300 व दतिया जिले के बुजुर्गों के लिये 325 बर्थ निर्धारित हैं। यह रेलगाड़ी 9 सितम्बर को भिण्ड से रवाना होगी और ग्वालियर व दतिया होते हुए अयोध्या - वाराणसी के लिये जायेगी। तीर्थ कराने के बाद यह विशेष रेलगाड़ी 22 सितम्बर को वापस लौटेगी।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट आज ग्वालियर आयेंगे

ग्वालियर। जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट 10 सितम्बर को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे। श्री सिलावट इस दिन प्रातत्काल 7.45 बजे रेलमार्ग द्वारा ग्वालियर पहुँचेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट अपरान्ह 3 बजे एयरपोर्ट पहुँचकर केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अगवानी करेंगे। इसके बाद 3.30 बजे केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के साथ श्याम वाटिका पहुँचकर अनुसूचित जाति समाज के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अनन्या शर्मा ने ग्वालियर का नाम रोशन किया

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी महानगर ग्वालियर के जिला मंत्री एवं केंद्रीय इस्पात एवं नागर विमानन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के विश्वसनीय सत्येंद्र शर्मा की बिटिया अनन्या शर्मा को नीट 2022 में सफलता प्राप्त करने के लिए अनंत बधाई एवं शुभकामनाएं भगवान से प्रार्थना करते है कि बिटिया अच्छी डॉक्टर बनकर देश की सेवा करें। ग्वालियर सिटी सेंटर हुए भव्य सेलिब्रेशन में अनन्या शर्मा के प्रोफ़ेसर एवं शुभचिंतकों ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अनन्या एवं अन्य सफलतम बच्चों का अभिनन्दन किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478